सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 238, नई दिल्ली । गुरुवार, 07 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज
www.newsparivahan.com

03 *-दिल्ली की 1901 औद्योगिक इकाइयों को किया गया पीएनजी में कन्वर्ट- गोपाल राय* 06 युवा महिलाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव 08 मोहानदी जल विवाद सुलझाने मे भाजपा सरकार बीफल : समाजवादी पार्टी,

सुप्रीम कोर्ट ने हल्के मीटर वाहन लाइसेंस के प्रति दिया महत्वपूर्ण आदेश

7500 किलो तक के निजी एवं व्यवसायिक वाहनों के लिए मान्य रहेगा एल.एम.वी. श्रेणी का लाईसेंस

ई रिक्शा, ई कार्ट, विशेष श्रेणी एवं खतरनाक मालवाहक को लेना होगा अलग लाइसेंस

बीमा कंपनियों के द्वारा गैर कानूनी तरीके से एल.एम.वी. लाइसेंस को क्लेम देने में करने वाली आनाकानी पर सुप्रीम कोर्ट का सुप्रीम फैसला

संजय बाटला

नई दिल्ली। यह कानूनी सवाल दुर्घटना मामलों में बीमा कंपनियों की तरफ से मुआवजे के दावों के विवादों का कारण बन रहा था, जिनमें एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों की तरफ से ट्रांसपोर्ट वाहन चलाए जा रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाले व्यक्तियों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि एलएमवी का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम से कम वजन वाले परिवहन वाहन को चलाने के हकदार हैं।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, जिससे यह साबित हो सके कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के लिए एलएमवी लाइसेंस धारक जिम्मेदार हैं। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय ने प्रधान न्यायाधीश सहित चार न्यायाधीशों की ओर से फैसला लिखते हुए कहा कि यह मुद्दा हल्के मोटर वाहन लाइसेंस धारकों वाले चालकों की आजीविका से संबंधित है।

पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने सुनाया फैसला

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ इस पर फैसला सुनाया। यह कानूनी सवाल दुर्घटना मामलों में बीमा कंपनियों की तरफ से मुआवजे के दावों के विवादों का कारण बन रहा था, जिनमें एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों की तरफ से ट्रांसपोर्ट वाहन चलाए जा रहे थे।

बीमा कंपनियों का क्या है तर्क ?

बीमा कंपनियों का कहना है कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) और अदालतें उनके आपत्तियों की अनदेखी करते हुए उन्हें बीमा दावे का भुगतान करने के आदेश दे रही हैं। बीमा कंपनियों का कहना है कि अदालतें बीमा विवादों में बीमाधारकों के पक्ष में फैसला ले रही हैं।

तीन जजों की पीठ ने सुरक्षित रखा था फैसला

जस्टिस हृषिकेश रॉय, पी एस नरसिम्हा, पंकज मिथल और मनोज मिश्रा वाली पीठ ने इस मुद्दे पर 21 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रखा था, जब केंद्र के वकील, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा था कि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम, 1988 में संशोधन पर विचार-विमर्श लगभग पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधन को संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है, और इसलिए अदालत ने इस मामले को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। क्या लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) के ड्राइविंग लाइसेंस धारक को 7,500 किलोग्राम तक वजन वाले ट्रांसपोर्ट वाहन को चलाने का अधिकार है, यही कानूनी सवाल सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

यह सवाल 8 मार्च 2022 को तीन-सदस्यीय पीठ की तरफ से संविधान पीठ को भेजा गया था, जिसमें जस्टिस यूयू ललित (अब सेवानिवृत्त) शामिल थे। यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के 2017 के मुकुंद देवांगन बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड मामले से उठा था। मुकुंद देवांगन मामले में, अदालत ने कहा था कि 7,500 किलोग्राम तक वजन वाले ट्रांसपोर्ट वाहन को एलएमवी की परिभाषा से बाहर नहीं किया गया है।

बजाज आलियांज की तरफ से मुख्य याचिका दायर

इस फैसले को केंद्र सरकार ने स्वीकार किया और मोटर वाहन अधिनियम के नियमों को इस निर्णय के अनुरूप संशोधित किया गया। 18 जुलाई को संविधान पीठ ने इस कानूनी सवाल पर 76 याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। मुख्य याचिका बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की तरफ से दायर की गई थी। मोटर वाहन अधिनियम कई प्रकार के वाहनों के लिए अलग-अलग लाइसेंस देने के प्रावधान करता है। मामले को बड़ी पीठ को भेजते समय कहा गया कि कुछ कानूनी प्रावधानों को मुकुंद देवांगन निर्णय में ध्यान नहीं दिया गया था और इस विवाद का पुनः विचार आवश्यक है।

जाने प्वाइंट नंबर 131 में एल.एम.वी. श्रेणी के प्रति सुप्रीम कोर्ट का फैसला, आदेश में प्रस्तुत निर्णय का हिंदी रूपांतरण आपके लिए प्रस्तुत

2024 INSC 840 पृष्ठ 1 का 126
समाचार-योग्य
भारत के सर्वोच्च न्यायालय में
सिविल अपीलीय क्षेत्राधिकार
सिविल अपील संख्या 841/2018
मेसर्स बजाज एलायंस जनरल
इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड...अपीलकर्ता(ओं)
बनाम
रंभा देवी और अन्य। ... प्रतिवादी(ओं) के साथ
एसएलपी(सी) संख्या 10918/2018
एसएलपी(सी) संख्या 9604/2018
एसएलपी(सी) संख्या 9613/2018
2018 की डायरी संख्या 24834
डायरी क्रमांक 25256 वर्ष 2018
एसएलपी(सी) संख्या 24671/2018
2018 की डायरी संख्या 32753
डायरी नं. 32756 ऑफ 2018।
2018 की डायरी संख्या 37055
2018 की डायरी संख्या 39059
एसएलपी(सी) संख्या 426/2019

जी. निष्कर्ष

125. मोटर वाहन अधिनियम और मोटर वाहन नियमों के अंतर्गत लाइसेंस व्यवस्था,

जब इसे पूरा पढ़ा जाता है, तो यह 'परिवहन वाहन' चलाने के लिए अलग से अनुमोदन प्रदान नहीं करता है, यदि चालक के पास पहले से ही एलएमवी लाइसेंस है। हालांकि हमें यह स्पष्ट करना चाहिए कि ई-कार्ट और ई-रिक्शा74 जैसे

विशेष वाहनों या खतरनाक सामान75 ले जाने वाले वाहनों के लिए विधायिका द्वारा बनाए गए अपवाद इस न्यायालय के निर्णय से अप्रभावित रहेंगे।

126. जैसा कि इस निर्णय में पहले चर्चा की गई है, धारा 3(1) का दूसरा भाग जो कि आवश्यकता से संबंधित है

एलएमवी की परिभाषा

एमवी अधिनियम की धारा 2(21) के तहत स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि 'परिवहन वाहन' का अर्थ है 'इस न्यायालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न तो प्रावधान अर्थात धारा 2(21) के तहत परिभाषा या ड्राइविंग लाइसेंस 'परिवहन वाहन' के लिए नियम कानून के मृत पत्र में बदल गए हैं। इसलिए, लाइसेंसिंग में 'परिवहन वाहन' पर जोर दिया जाता है। योजना को केवल संदर्भ में ही समझना होगा

'माध्यम'

74 एमवी नियमों का नियम 8ए देखें, ई-वाहन चलाने के लिए न्यूनतम प्रशिक्षण आवश्यक है, रिक्शा या ई-कार्ट'75, एमवी नियमों का नियम 9 देखें, 'खतरनाक या जोखिमपूर्ण सामान ले जाने वाले मालवाहक वाहनों के चालकों के लिए शैक्षिक योग्यता' और 'भारी' वाहन। यह सामंजस्यपूर्ण व्याख्या लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए धारा 10(2) में 1994 के संशोधन के उद्देश्य से भी मेल खाती है76।

127. उपरोक्त व्याख्या भी पराजित नहीं करती है

व्यापक

मोटर वाहन अधिनियम के दो उद्देश्य हैं, अर्थात सड़क सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए समय पर मुआवजा और राहत सुनिश्चित करना। सड़क सुरक्षा के पहलू पर पहले विस्तार से चर्चा की जा चुकी है। इस न्यायालय द्वारा दिया गया आधिकारिक निर्णय बीमा कंपनियों को 7,500 किलोग्राम से कम वजन वाले बीमाकृत वाहन से संबंधित मुआवजे के वैध दावे को हराने के लिए तकनीकी दलील देने से रोकेगा, जिसे 'लाइट मोटर व्हीकल' श्रेणी का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाले व्यक्ति द्वारा चलाया जा रहा है।

128. ऐसे युग में जहाँ स्वायत्त या चालक रहित वाहन अब विज्ञान कथाओं की कहानियां नहीं रह गए हैं और ऐप-आधारित यात्री प्लेटफॉर्म आधुनिक वास्तविकता बन गए हैं, लाइसेंसिंग व्यवस्था स्थिर नहीं रह सकती। भारतीय विधायिका द्वारा किए गए संशोधनों ने सभी संभावित चिंताओं का समाधान नहीं किया होगा। जैसा कि हमें विद्वान अटॉर्नी जनरल द्वारा सूचित किया गया था कि एक विधायी अभ्यास चल रहा है, हम आशा करते हैं कि एक व्यापक संशोधन 76मध्यम माल वाहन [(10(2)(ई)], मध्यम यात्री वाहन [10(2)(एफ)], भारी माल वाहन [10(2)(जी)] और भारी यात्री वाहन [10(2)(एच)] वर्गों को हटा दिया गया और धारा 10(2)(ई) में एक नया वर्ग 'परिवहन वाहन' पेश किया गया। वैधानिक खामियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

ज़रूरी सुधारात्मक उपाय.

129. सिर्फ एक चिंता को उजागर करने के लिए, विधानमंडल 1994 में धारा 10(2)(ई) में संशोधन के माध्यम से 'परिवहन' को पेश किया गया। वाहन' को एक अलग वर्ग के रूप में रखने का उद्देश्य हल्के मोटर वाहन (जो एक अलग वर्ग के रूप में जारी रहा) को मध्यम और भारी वाहनों के साथ एक ही वर्ग में विलय करना नहीं हो सकता था। अन्यथा, यह एक ऐसी स्थिति को जन्म देगा जिसमें श्री (हमारा काल्पनिक चरित्र), साइकिलिंग खेल में भाग लेना चाहता है, उसे केवल ट्रायथलॉन जैसे मल्टीस्पोर्ट के लिए प्रासंगिक कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए बहुत अधिक धीरज और एथलेटिकता की आवश्यकता होती है। इसलिए प्रयास यह सुनिश्चित करने का होना चाहिए कि

130. अब मूल मुद्दे पर वापस आते हुए और यह देखते हुए कि मूल ड्राइविंग कौशल (जैसा कि पिछले पैराग्राफ में बताया गया है), जो सभी ड्राइवरों द्वारा हासिल किए जाने की उम्मीद है, सार्वभौमिक हैं, भले ही वाहन ₹परिवहन₹ या ₹गैर-परिवहन₹ श्रेणी में आता हो, यह इस न्यायालय की सुविचारित राय है कि अगर वाहन का सकल वजन 7,500 किलोग्राम के भीतर है - तो आम आदमी का ड्राइवर, एलएमवी लाइसेंस के साथ, ₹ट्रांसपोर्ट वाहन₹ भी चला सकता है। हम इस निष्कर्ष पर पहुंचने में सक्षम हैं क्योंकि इनमें से कोई भी नहीं। इस मामले में पक्षकारों ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई अनुभवजन्य डेटा प्रस्तुत किया है कि एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस धारक, 'ट्रांसपोर्ट वाहन' भारत में सड़क दुर्घटनाओं का एक महत्वपूर्ण कारण है। इस निर्णय में चर्चा की गई एमवी अधिनियम और एमवी नियमों में निर्दिष्ट अतिरिक्त पात्रता मानदंड केवल ऐसे वाहन ('मध्यम माल वाहन', 'मध्यम यात्री वाहन', 'भारी माल वाहन' और 'भारी यात्री वाहन') पर लागू होंगे, जिनका सकल वजन 7,500 किलोग्राम से अधिक है। वैधानिक योजना के तहत ड्राइवरों के लिए लाइसेंसिंग व्यवस्था कैसे संचालित की जानी है, इस पर हमारी वर्तमान व्याख्या सड़क सुरक्षा चिंताओं से समझौता करने की संभावना नहीं है। यह परिवहन वाहनों (जो पहियों के पीछे अधिकतम घंटे बिताते हैं) का संचालन करने वाले ड्राइवरों के लिए आजीविका के मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से संबोधित करेगा, कानूनी रूप से ₹ट्रांसपोर्ट वाहन₹ (7,500 किलोग्राम से कम) का संचालन उनके एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस के साथ करेगा। परफोर्स को ड्राइव करना होगा जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और उसे पागल या बेवकूफ (जैसा कि पहले पैराग्राफ में बताया गया है) कहलाने का कोई मौका नहीं मिलना चाहिए, जबकि वह गाड़ी चला रहा हो। इस तरह की सामंजस्यपूर्ण व्याख्या इस न्यायालय के समक्ष कानून के विवादास्पद प्रश्न को काफी हद तक संबोधित करेगी।

131. उपरोक्त चर्चा के बाद हमारे निष्कर्ष इस प्रकार हैं

अंतर्गतः-

(1) धारा 10(2)(डी) के तहत हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) वर्ग के लिए लाइसेंस रखने वाला चालक, सकल वाले वाहनों के लिए 7,500 किलोग्राम से कम वजन वाले वाहन को विशेष रूप से 'ट्रांसपोर्ट वाहन' श्रेणी के लिए एमवी अधिनियम की धारा 10(2)(ई) के तहत अतिरिक्त प्राधिकरण की आवश्यकता के बिना 'ट्रांसपोर्ट वाहन' चलाने की अनुमति है। लाइसेंसिंग उद्देश्यों के लिए, एलएमवी और परिवहन वाहन पूरी तरह से अलग वर्ग नहीं हैं। दोनों के बीच एक ओवरलैप मौजूद है। हालाँकि, विशेष पात्रता आवश्यकताएँ, अन्य बातों के साथ-साथ, ई-कार्ट, ई-रिक्शा और खतरनाक सामान ले जाने वाले वाहनों के लिए लागू होती रहेंगी।

(II) धारा 3(1) का दूसरा भाग, जो जोर देता है 'परिवहन वाहन' चलाने के लिए विशिष्ट आवश्यकता की आवश्यकता, एलएमवी की परिभाषा का अतिक्रमण नहीं करती है। एमवी अधिनियम की धारा 2(21) में प्रावधान किया गया है।

(III) एमवी में निर्दिष्ट अतिरिक्त पात्रता मानदंड 'परिवहन वाहनों' को चलाने के लिए सामान्यतः लागू अधिनियम और एम.वी. नियम केवल उन लोगों पर लागू होंगे जो परिवहन वाहनों को चलाने का इरादा रखते हैं। 7,500 किलोग्राम से अधिक सकल वाहन भार वाले वाहन यानी 'मध्यम माल वाहन', 'मध्यम यात्री वाहन', 'भारी माल वाहन' और 'भारी यात्री वाहन'।

(IV) The decision in Mukund Dewangan (2017) is upheld में है

लेकिन इस निर्णय में हमारे द्वारा बताए गए कारणों से, किसी भी अप्रिय चूक के अभाव में, निर्णय प्रति इनक्युरियम नहीं, भले ही कुछ प्रावधान हों, उक्त कार्यवाही में मोटर वाहन अधिनियम एवं मोटर वाहन नियमों पर विचार नहीं किया गया।

निर्णय.

132. संदर्भ का उत्तर उपरोक्त शर्तों के अनुसार दिया गया है। रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि वह माननीय मुख्य न्यायाधीश से निर्देश प्राप्त करने के बाद मामले को उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करे।

मुख्य न्यायाधीश
[डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़]
[HRISHIKESH ROY]
[PAMIDIGHANTAM SRI NARASIMHA]
जे [पंकज मिथल]
नई दिल्ली;
06 नवंबर, 2024

दिल्लीवासियों को बड़ी सौगात, अब नए रूट पर इन इलाकों से गुजरेगी बसें; स्कूल-कॉलेज और दफ्तर पहुंचना होगा आसान

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन से कनेक्टिविटी आसान करने की दिशा में आतिशी सरकार ने एक और कदम बढ़ाया है। दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने नए बस रूट का शुभारंभ किया है। इससे पालम गांव से दिल्ली का सीधा संपर्क जुड़ गया है। कैलाश गहलोत ने कहा कि हमने दादा देव मंदिर (पालम गांव) से केंद्रीय सचिवालय तक नए रूट बस चलाने की शुरुआत की है।

दिल्ली। दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पालम में आयोजित समारोह में एक नए बस रूट के लिए बस परिचालन का शुभारंभ किया। उन्होंने बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पालम की विधायक भावना गौड़ व बिजवासन के विधायक भूपिंदर सिंह जून सहित कई व्यक्ति उपस्थित रहे।

कहां से कहां के बीच है नया बस रूट ?

नए बस रूट को 783 एक्सटेंशन का नाम दिया गया है। नया बस रूट केंद्रीय सचिवालय से पालम में दादा देव मंदिर के बीच बनाया गया है। इस रूट की कुल लंबाई 23.5 किलोमीटर है।

यह बस रास्ते में सभी प्रमुख स्थानों और शैक्षणिक संस्थानों को कवर करेगी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा संचालित चार लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसें इस मार्ग पर चलेंगी, जो यात्रियों के लिए पर्यावरण-अनुकूल यात्रा विकल्प प्रदान करेंगी।

हर कोने को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना है लक्ष्य- गहलोत

परिवहन मंत्री ने कहा कि इस नए बस मार्ग की शुरुआत सभी दिल्लीवासियों, विशेषकर बाहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन सेवा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस रूट के लॉन्च होने से स्थानीय निवासियों के लिए स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और कार्यस्थलों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। हमारा लक्ष्य दिल्ली के हर कोने को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना है ताकि लोग आसानी से यात्रा कर सकें।

किन लोगों को मिलेगा इसका लाभ ?

इस रूट से राज नगर, राज नगर एक्सटेंशन, द्वारका सहित बिजवासन और पालम के विभिन्न क्षेत्रों और शिक्षा भारती कालेज, विश्व भारती पब्लिक स्कूल, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय आने-जाने वाले लोगों को लाभ होने की उम्मीद है।

इन इलाकों से गुजरेगी इस रूट पर बसें

देव देव मंदिर (पालम), राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान केंद्र, रायल रेजीडेंसी
अंबरहाई क्रॉसिंग (रामफल चौक) शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल
द्वारका सेक्टर-6/7, 9/10 चौराहा
द्वारका सेक्टर-7, प्रिंस पार्क अपार्टमेंट
द्वारका सेक्टर 6/7 चौराहा
द्वारका सेक्टर-6 टेलीफोन एक्सचेंज
द्वारका सेक्टर 1/2, एसएफएस फ्लैट सेक्टर-2
महावीर एन्क्लेव भाग II,
महावीर एन्क्लेव भाग III
विजय एन्क्लेव, दशरथपुरी, डाबड़ी गांव
डाबड़ी चौराहा, जनक सिनेमा, डेसू कॉलोनी
जनकपुरी, सागर पुर वशिष्ट पार्क
लाजवंती गार्डन, नांगल राया, जनक सेतु
आपूर्ति डिपो, किर्बी पैलेस, राज रिफ लाइन
गोल्फ क्लब, धौला कुआं, ताज होटल बापूधाम
रेलवे कॉलोनी, चाणक्य पुरी पुलिस स्टेशन
तीन मूर्ति, साउथ ब्लॉक, त्याग राज मार्ग
सेना भवन, जी ब्लॉक उद्योग भवन, कृषि भवन
आकाशवाणी भवन, पटेल चौक, गुरुद्वारा बंगला साहिब, एन.डी.पी.ओ, केंद्रीय टर्मिनल
गुरुद्वारा रकाब गंज, केंद्रीय सचिवालय

मां सीता और द्रौपदी ने की थी छठ पूजा की शुरूआत, जानिए पौराणिक कथा

बिहार के छठ पर्व को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। जिसमें से एक मान्यता यह भी है कि सबसे पहले श्रीराम की पत्नी मां सीता ने छठ पूजन किया था। इसके बाद ही इस महापर्व की शुरूआत हुई थी।

हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठ पूजा का यह महापर्व मनाया जाता है। छठ महापर्व के मौके पर सूर्य देव की विशेष आराधना की जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छठ पूजा की शुरूआत कैसे हुई। हालांकि इस पर्व को लेकर कई ऐतिहासिक मान्यताएं हैं। पुराणों में छठ पर्व के पीछे की कहानी राजा प्रियवत को लेकर हैं, लेकिन इसके अलावा भी पुराणों में भी कथा मिलती है।

हालांकि बिहार के छठ पर्व को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। जिसमें से एक मान्यता यह भी है कि सबसे पहले श्रीराम की पत्नी मां सीता ने छठ पूजन किया था। इसके बाद ही इस महापर्व की शुरूआत हुई थी। छठ महापर्व को बिहार का पर्व माना जाता है। बिहार के अलावा अन्य राज्यों में भी छठ पूजा बड़ी-धूमधाम से मनाई जाती है। बिहार के मुंगेर में छठ पूजा का विशेष महत्व होता है। इस पर्व को लेकर कहा जाता है कि मां सीता ने सबसे पहले बिहार के मुंगेर में गंगा तट पर इस पूजा को संपन्न किया था। इसके बाद छठ पूजा की शुरूआत हुई थी।

मां सीता ने की थी छठ पूजा

वाल्मीकि रामायण के मुताबिक मुंगेर में जहां सीता माता का चरण चिन्ह है, वहीं पर रहकर उन्होंने 6 दिनों तक छठ पूजा की थी। जब चौदह वर्ष के वनवास के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या वापस लौटे, तो उन्होंने रावण के वध से पाप मुक्त होने के लिए उन्होंने राजयज्ञ सूर्य करने का उन्होंने फैसला लिया। राजयज्ञ के लिए उन्होंने मुदग्ल ऋषियों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन ऋषि ने श्रीराम और मां सीता को अपने आश्रम आने का आदेश दिया। ऐसे में जब दोनों आश्रम पहुंचे, तो उन्होंने छठ पूजा के बारे में बताया।

मुद्गल ऋषि ने दिया आदेश

बता दें कि ऋषि मुद्गल ने मां सीता को गंगाजल छिड़कर पवित्र किया था और उन्हें कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने के लिए कहा था। तब वहीं रहकर मां सीता ने 6 दिनों तक सूर्यदेव की उपासना की थी। मान्यता है कि जिस स्थान पर मां सीता ने छठ पूजा संपन्न की थी, आज भी उस स्थान पर उनके पदचिन्ह मौजूद हैं। इस स्थान पर दियारा क्षेत्र के लोगों ने मंदिर बनवा दिया। यह सीता चरण मंदिर के नाम से फेमस है। हर साल यह मंदिर गंगा की वाल में डूबता है और महीनों तक मां सीता के पहचिन्हों वाला पत्थर गंगा के पानी में डूबा रहता है।

महीनों पानी में डूबे रहने के बाद भी पत्थर पर पड़े मां सीता के पदचिन्ह धूमिल नहीं पड़े। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। वहीं अन्य राज्यों से भी लोग छठ महापर्व के दौरान इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। माना जाता है कि इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

द्रौपदी ने भी रखा था छठ व्रत

एक कथा के मुताबिक महाभारत काल में छठ पर्व की शुरुआत हुई थी। सबसे पहले इस पर्व की शुरूआत सूर्य पुत्र कर्ण ने पूजा करके की थी। कर्ण सूर्यदेव के बहुत बड़े भक्त थे। वह घंटों पानी में खड़े होकर सूर्य भगवान को अर्घ्य देते थे। सूर्य देव की कृपा से ही कर्ण महान योद्धा बने थे। छठ पर्व में सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा यहां से प्रचलित हुई।

इसके अलावा एक कथा और भी प्रचलित है। कथा के मुताबिक जब जुएं में पांडव अपना सबकुछ हार गए, तो द्रौपदी ने छठ पर्व रखा था। इस व्रत से पांडवों की मनोकामना पूरी हुई और उन्हें अपना राजपाट वापस मिल गया। लोक परंपरा के अनुसार, सूर्यदेव और छठी मैया का संबंध भाई बहन का है। इसलिए छठ महापर्व के मौके पर सूर्य देव की आराधना फलदायी मानी जाती है।

सर्दियों में अपनी त्वचा को रखें हाइड्रेटेड, स्किन होगी सॉफ्ट

सर्दियों में रुखी त्वचा से बचने के लिए अपनी स्किन को पोषण देना काफी जरुरी है। इन टिप्स के जरिए गुलाबी ठंड में स्किन को चिकनी और सर्दी प्रतिरोधी बनाए रखने के लिए फॉलो करें ये उपाय।

जैसे-जैसे सर्दियों में ठंडी हवाएं चलने लगती है वैसे ही तापमान गिरने लगता है, आपकी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में सुधार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। ठंडा और ड्राई मौसम आपकी त्वचा पर कहर बरपा सकता है, जिससे यह ड्राई, परतदार और बेजान हो जाती है। सर्दियों की इन समस्याओं से निपटने के लिए, त्वचा की देखभाल के लिए एक ऐसा आहार अपनाना आवश्यक है जो गहरी हाइड्रेशन और पोषण प्रदान करता हो। अपनी त्वचा को मुलायम और हाइड्रेटेड रखने के लिए इन टिप्स को फॉलो करें।

मॉइस्चराइजिंग

सर्दियों के दौरान सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड और मुलायम बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। अपने हल्के गर्मियों के मॉइस्चराइज़र को छोड़कर सर्दियों की समृद्ध फेस क्रीम या हाइड्रेटिंग फेस मास्क का प्रयोग करें जो ड्राई हवा से बचाते हैं और पानी की कमी को रोकते हैं। आप अपनी त्वचा को पोषण देने और कठोर मौसम से अपनी त्वचा की रक्षा करने के लिए अपनी क्रीम में आर्गन, रोजहिप या जोजोबा जैसे तेल मिला सकते हैं। प्रभाव को अधिकतम करने के लिए, सफाई के तुरंत बाद नम त्वचा पर अपना मॉइस्चराइजर लगाएं। यह ट्रिक हाइड्रेशन को सील करने में मदद करती है, जिससे आपकी त्वचा सर्दियों की ठंड के दौरान नरम और कोमल बनी रहती है।

धूप से सुरक्षा

सर्दियों के मौसम में हम अक्सर सनस्क्रीन लगाना छोड़ देते हैं, यह सोचकर कि धूप तेज नहीं है। लेकिन इसे मूर्ख मत बनने दीजिए, क्योंकि यूवी किरणें महत्वपूर्ण बनी हुई हैं और फिर भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए हर सुबह न्यूनतम एसपीएफ 30 के साथ सनस्क्रीन को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना महत्वपूर्ण है। यह त्वचा को हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है जो पिगमेंटेशन, हाइड्रेशन, समय से पहले बूढ़ा होना और सनबर्न का कारण बन सकती हैं।

सौम्य क्लींजर का उपयोग करें

ठंड का मौसम आपकी त्वचा को ड्राई हो जाती है, इसलिए अपने चेहरे और शरीर को नियमित रूप से धोने के लिए क्लींजर का उपयोग करना न भूलें। यह किसी भी त्वचा देखभाल दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन एक कसैले क्लीन्जर के बजाय एक सौम्य क्लीन्जर का उपयोग करना सुनिश्चित करें जो आपकी त्वचा से उसके प्राकृतिक तेल को छीन लेता है। ग्लिसरीन, शीया बटर, या ओटमील जैसे तत्वों से युक्त बने हो, जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हुए धीरे से साफ करते हैं।

ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें

हां, आपने सही पढ़ा - ह्यूमिडिफायर। यदि संभव हो तो इसे उन कमरों में रखें जहां आप अधिकतर समय बिताते हैं। यह गेम-चेंजर हो सकता है क्योंकि यह हवा में नमी जोड़ता है, जो आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड स्तर बनाए रखने में मदद कर सकता है। आप अपने स्थान पर ह्यूमिडिफायर स्थापित करने के बाद आपकी त्वचा कैसी लगती है और कैसी दिखती है, इसमें आपको काफी अंतर दिखेगा।

संतुलित आहार

जब त्वचा में नमी बनाए रखने की बात आती है, तो आपका आहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्दी के मौसम में मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करें जिनमें पानी और एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है। आप कद्दू और पत्तेदार साग जैसे खाद्य पदार्थों का विकल्प चुन सकते हैं, जो न केवल आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं बल्कि आपकी त्वचा की चमक बनाए रखने में भी मदद करते हैं। अपने आहार में मछली, अलसी और अखरोट को शामिल करें, क्योंकि वे ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं और त्वचा के लिपिड अवरोध का समर्थन करते हैं, जिससे यह सर्दियों की ठंड के खिलाफ लचीला रहता है।

भोपालवासी अब परिवार के साथ कर सकेंगे तीर्थ यात्रा, IRCTC ने निकाला खास टूर पैकेज

अगर आप परिवार के साथ भोपाल से बालाजी के दर्शन का प्लान बना रहे हैं, तो IRCTC का यह टूर पैकेज आपके लिए है। इस दौरान आपको बालाजी के दर्शन के अलावा अन्य जगहों पर भी घूमने का मौका मिलेगा।

अगर आप अपने परिवार के साथ किसी तीर्थ यात्रा पर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप भारतीय रेलवे की तरफ से शुरू की गई टूर पैकेज से यात्रा कर सकते हैं। बता दें कि IRCTC यात्रियों की सुविधा के लिए अब टूर पैकेज लेकर आता है। यह आपकी यात्रा को आरामदायक बनाने में सहायता करता है। इस बार यह टूर पैकेज भोपाल वालों के लिए है। अगर आप परिवार के साथ भोपाल से बालाजी के दर्शन का प्लान बना रहे हैं, तो यह टूर पैकेज आपके लिए है। इस दौरान आपको बालाजी के दर्शन के अलावा अन्य जगहों पर भी घूमने का मौका मिलेगा।

इस टूर पैकेज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आपको होटल से लेकर रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट से होटल तक जाने के लिए परिवहन साधन की भी जरूरत नहीं होगी। क्योंकि यह सारी सुविधाएं भारतीय रेलवे आपको इस पैकेज

में देगा। तो आइए जानते हैं इस टूर पैकेज से जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में...

टूर पैकेज

इस टूर पैकेज की शुरुआत भोपाल के साथ उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, इंदौर, देवास, संत हिरदाराम नगर, बैतूल और नागपुर से भी हो रही है। ऐसे में आप इन जगहों से भी यात्रा की शुरूआत कर सकते हैं।

यह टूर पैकेज 9 रात और 10 दिन का है।

इस पैकेज का लाभ लेने के लिए आप 16 दिसंबर तक टिकट बुक कर सकते हैं।

इस दौरान आपको ट्रेन से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

इस टूर पैकेज का नाम DAKSHIN DARSHAN YATRA (दक्षिण दर्शन यात्रा) है।

आप भारतीय रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट पर इस टूर पैकेज का नाम डालकर यात्रा से जुड़ी सभी डिटेल्स पढ़ सकते हैं।

इस टूर पैकेज में आपको तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम आदि घूमने का मौका मिलेगा।

इस टूर पैकेज का कोड WZBG 28A है।

पैकेज फीस

इसमें आपको थर्ड कोच में टिकट बुक करने का मौका मिल रहा है।

वहीं अगर आप स्लीपर कोच में टिकट बुक करते हैं, तो प्रति व्यक्ति 18,000 रुपए देना होगा।

3AC में टिकट बुक करने पर प्रति व्यक्ति 29,500 रुपए देना होगा।

2AC में टिकट बुक करने पर प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 39,000 रुपए है।

आईआरसीटीसी के टूर पैकेज में मिलने वाली सभी सुविधाओं को पढ़ने के बाद ही टिकट बुक कराएं।

पैकेज में मिलने वाली सुविधाएं

स्लीपर कोच में नॉन एसी स्लीपर ट्रेन यात्रा करने का मौका मिलेगा। ऑनबोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन, नॉन एसी होटल रूम, नॉन एसी होटलों में ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग आधार पर रुकना और घूमने के लिए नॉन एसी परिवहन साधन मिलेगा।

थर्ड एसी में ट्रेन पैजेक टिकल बुक करने पर आपको ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग आधार पर एसी बजट होटलों में रुकना, ऑनबोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन और घूमने के लिए नॉन एसी परिवहन साधन मिलेगा।

सेकेंड एसी पैकेज बुक करने पर ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग आधार पर एसी बजट होटलों में स्टे, ऑनबोर्ड और ऑफ बोर्ड भोजन के साथ एसी परिवहन साधन घूमने के लिए मिलेगा।

पैकेज फीस में ही आपको ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड शाकाहारी भोजन नाश्ता, दोपहर का भोजन और डिनर मिलेगा।

घूमने के लिए बस की सुविधा मिलेगी।

टूर एस्कॉर्ट और हर कोच के लिए ट्रेन में सुरक्षा कर्मचारी मिलेगा।

प्रति व्यक्ति को प्रति दिन 2 लीटर पानी की बोतल दी जाएगी।

यात्रियों को यात्री बीमा की सुविधा भी मिलेगी।

इस तरह से करें 30 दिनों में वेट लॉस, जानें आसान तरीके

अगर आपकी भी शादी होने जा रही है तो अगले 30 दिनों में वजन आसानी से घटा सकते हैं। दिसंबर के महीने में अगर आपकी शादी होने वाली है तो इन वेट लॉस टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

हर लड़की के लिए शादी वाला दिन बेहद खास होता है। पसंदीदा लहंगे के लिए आप पूरा बाजार देख लेती है। फोटोज के लिए लहंगा तो परफेक्ट ले लिया लेकिन आपका बेली फैट और डबल चिन लुक्स को खराब कर सकता है। अगर आपकी शादी दिसंबर में होने वाली है तो आप आज से ही वेट लॉस के लिए इन जरुरी टिप्स को फॉलो करना शुरु कर दें। 30 दिन तक इस डाइट को फॉलो करें।

नट्स का सेवन करें

आप अपनी डाइट में काजू, बादाम, पिस्ता, अखरोट जैसे नट्स को डाइट में शामिल करें सही न्यूट्रिशन मिलता है। ध्यान रहे कि नट्स वेट को बढ़ा भी सकता है। इसलिए अगर आप मुठ्ठीभर नट्स को खाना पसंद करते हैं, तो इससे केवल गुड फैट को बढ़ाता है बल्कि बॉडी को सही शेप देने में मदद करता है।

फ्रेश फ्रूट खाएं

ताजे फल के सेवन से फाइबर अधिक मात्रा में प्राप्त होती है। इसमें विटामिन्स और मिनरल्स मिल जाते हैं। डाइजेस्टिव सिस्टम को सही रखने में मदद मिलती है और बॉडी अंदर से डिटॉक्स करता है।

सलाद खाएं

सलाद खाने से शरीर तो स्वस्थ रहता है साथ में वेट लॉस भी होता है। इसमें फाइबर होता है सेहत के लिए बढ़िया होता है। वेजिटेबल्स और फ्रूट को डाइट में लेने से बॉडी डिटॉक्स होती है और इसके साथ ही स्किन ग्लो करती है। पेट की चर्बी भी दूर होती है।

ग्रीन टी पिएं

आमतौर पर ग्रीन टी के सेवन करने से बेली फैट गायब हो जाता है। इसके मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग करता है। जिन लोगों को बार-बार मीठा खाने की क्रेविंग रहती है। उनको ग्रीन टी का सेवन जरुर करना चाहिए।

जिंजर टी

अगर आपके शरीर में पफीनेस है और इंफ्लेमेशन की शिकायत रहती है तो जिंजर लेमन टी जरुर पिएं। शरीर की सूजन कम करने के लिए अदरक वाली चाय पिएं।

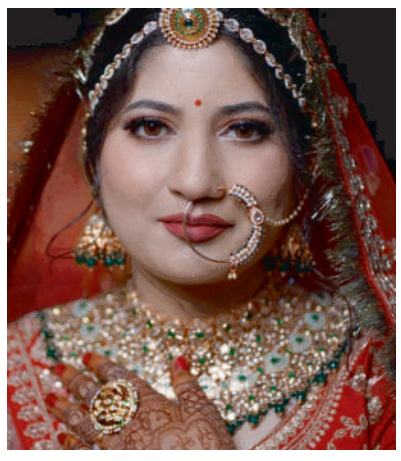

दोधारी तलवार है सोशल मीडिया, रिश्तों को बनाने और बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ता

कल्पना करें कि आप किसी के साथ शारीरिक रूप से हैं, लेकिन पूरी तरह से अकेला महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनका दिमाग कहीं और है, स्क्रीन से चिपका हुआ है। हमें खुद से पूछना चाहिए: क्या सोशल मीडिया वाकई उन लोगों के साथ हमारे वास्तविक संबंधों से ज्यादा महत्वपूर्ण है जिनकी हम परवाह करते हैं?

हो सकता है कि आप हर सेकंड खुद को सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए पाएं। इसमें कोई शक नहीं है कि कोविड लॉकडाउन के बाद, सोशल मीडिया हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। लेकिन क्या हमें वाकई सोशल मीडिया को अपनी ज़िंदगी में उतनी जगह देनी चाहिए जितनी हम अभी देते हैं?

कई मायनों में, सोशल मीडिया उपयोगी है। यह हमें दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने में मदद करता है, मनोरंजन प्रदान करता है और हमें ताज़ा खबरों से अपडेट रखता है। हालाँकि, जैसा कि कहा जाता है, 'किसी भी चीज़ की अति बुरी होती है', एक बार जब हम स्क्रॉल करना शुरू कर देते हैं, तो अक्सर सीमाएं तय करना भूल जाते हैं। हम अपने फ़ोन की स्क्रीन को घूरते हुए घंटों बिता देते हैं और हमें समय का पता ही नहीं चलता है।

इससे भी ज़्यादा चिंता की बात यह है कि सोशल मीडिया हमारे रिश्तों को प्रभावित कर रहा है। हम अक्सर अपने आस-पास के लोगों की तुलना में अपने फ़ोन पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। यहां तक कि हम जब अपने करीबियों या दोस्तों के साथ होते हैं, तब भी विचलित रहते हैं, लगातार अपडेट या नोटिफ़िकेशन चेक करते रहते हैं। करीबियों और दोस्तों से अच्छी बातचीत करने और पल का आनंद लेने के बजाय, हम ऑनलाइन दुनिया में खोए रहते हैं।

इस वजह से रिश्तों की गुणवत्ता खराब हो रही है। जब कोई व्यक्ति साथ में समय बिताने की बजाय सोशल मीडिया पर ज़्यादा ध्यान देता है, तो पार्टनर खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं। कल्पना करें कि आप किसी के साथ शारीरिक रूप से हैं, लेकिन पूरी तरह से अकेला महसूस

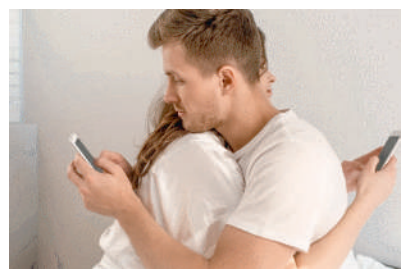

कर रहे हैं क्योंकि उनका दिमाग कहीं और है, स्क्रीन से चिपका हुआ है। हमें खुद से पूछना चाहिए: क्या सोशल मीडिया वाकई उन लोगों के साथ हमारे वास्तविक संबंधों से ज़्यादा महत्वपूर्ण है जिनकी हम परवाह करते हैं?

रिश्तों पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

जुड़े रहना: सोशल मीडिया लोगों को दूर रहने पर भी संपर्क में रहने में मदद करता है। इससे लंबी दूरी के रिश्तों को संभालना आसान हो गया है। कपल सोशल मीडिया की मदद से एक-दूसरे को अपडेट साझा कर सकते हैं, वीडियो कॉल कर सकते हैं और तुरंत संदेश भेज सकते हैं।

खास पलों को साझा करना: लोग अपने खास पलों, जैसे जन्मदिन, सालगिरह या व्यक्तिगत उपलब्धियों को दोस्तों और परिवार के साथ साझा कर सकते हैं। इससे पार्टनर एक-दूसरे की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में शामिल महसूस कर सकते हैं।

प्यार और स्नेह व्यक्त करना: सोशल मीडिया सार्वजनिक रूप से प्यार और प्रशंसा दिखाने का एक स्थान हो सकता है, जैसे साथी के जन्मदिन या सालगिरह पर दिल से संदेश पोस्ट करना या कुछ और। इस तरह के छोटे-छोटे इशारे लोगों को खास और मूल्यवान महसूस करा सकते हैं।

साझा रुचियों की खोज: साथी सोशल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से साझा रुचियों, शौक और आपसी दोस्तों का पता लगा सकते हैं। यह उन्हें करीब ला सकता है और उन चीज़ों को करने में अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है जो उन्हें दोनों पसंद हैं।

रिश्तों पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव

गुणवत्तापूर्ण समय की कमी: लोग अक्सर अपने फ़ोन में इतने खो जाते हैं कि वे अपने साथी को अनदेखा कर देते हैं। यह वास्तविक जीवन में एक-दूसरे से जुड़ने में लगने वाले समय को कम करता है। इसके अलावा यह अच्छी बातचीत के जरिए बनने वाले भरोसे की नींव कमजोर कर देता है।

ईर्ष्या और असुरक्षा: सोशल मीडिया पर किसी साथी को दूसरों के साथ बातचीत करते देखना या अपने रिश्ते की तुलना दूसरों के ऑनलाइन रिश्तों से करना ईर्ष्या और असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। पोस्ट या टिप्पणियों की गलतफहमी रिश्ते में अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती है।

लगातार तुलना: सोशल मीडिया अक्सर जीवन का एक आदर्श संस्करण पेश करता है। जब लोग अपने रिश्तों की तुलना ऑनलाइन दिखने वाले बेहतरीन रिश्तों से करते हैं, तो वे असंतुष्ट या अपर्याप्त महसूस कर सकते हैं, भले ही कोई वास्तविक समस्या न हो।

दिल्ली की 1901 औद्योगिक इकाइयों को किया गया पीएनजी में कन्वर्ट : गोपाल राय

सुषमा रानी

नईदिल्ली, 6 नवंबर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शहर में औद्योगिक प्रदूषण को लेकर दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की। इस बैठक में डीपीसीसी , पर्यावरण विभाग, डीएसआईआईडीसी और एमसीडी के अधिकारी मौजूद रहे बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के लिए डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमों का गठन किया गया है। औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग की निगरानी के लिए पूरी दिल्ली में 3 विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीम तैनात की गयी है। श्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितम्बर को सरकार द्वारा 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की गई थी। दिल्ली में वायु प्रदूषण में और सुधार लाने के लिए विंटर एक्शन प्लान के तहत औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी और उसके अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य शुरू हो गया है। औद्योगिक प्रदूषण के खिलाफ अभियान के तहत पूरी दिल्ली में 3 विभागों की 191 पेट्रोलिंग टीम को औद्योगिक अपशिष्ट की डंपिंग के उचित निपटान की निगरानी के लिए तैनात करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही डीपीसीसी और डीएसआईआईडीसी की 58 टीमें औद्योगिक इकाइयों के लगातार निरीक्षण के कार्य में तैनात की गई है। यह सभी टीमें दिल्ली में सभी औद्योगिक इकाइयों पर निगरानी रखने और उनके द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए त्वरित कदम उठाने का कार्य करेगी। जिसकी रिपोर्ट समय समय पर पर्यावरण विभाग को प्रेषित की जाएंगी। डीपीसीसी की इस टीम को औद्योगिक इकाइयों द्वारा पर्यावरण नियमों के उल्लंघन करने पर , सख़्त कार्रवाई करने का भी आदेश जारी किया गया हैं।

दिल्ली के 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में परिवर्तित किया गया

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि साथ ही दिल्ली की 1901 पंजीकृत औद्योगिक इकाईयों को पीएनजी में परिवर्तित कर दिया गया है और उद्योगों को केवल अनुमोदित ईंधन पर संचालित करना अनिवार्य है। यदि कोई भी औद्योगिक इकाई पर्यावरण के नियमों का उलंघन करते पाई जायेगी, उसपर सम्बंधित विभाग द्वारा उचित और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गोपाल राय ने डीपीसीसी और अन्य सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए की वो औद्योगिक क्षेत्रों से औद्योगिक कचरे का नियमित उठान और उचित वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करें साथ ही औद्योगिक इकाई केवल अनुमोदित ईंधन से संचालित हो।

छठ पूजा पर छुट्टी का आदेश जारी

[दिल्ली राजपत्र भाग – चार (असाधारण) में प्रकाशनार्थ]

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
सामान्य प्रशासन विभाग
(समन्वय शाखा)
दिल्ली सचिवालय, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली – 110002

स.फा. 53/711/सा.प्र.वि./समन्व./2024/ 1929-1971 दिनांक: 06.11.2024

अधिसूचना

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, वृहस्पतिवार दिनांक 07 नवम्बर, 2024 को 'प्रतिहार षष्ठी या सूर्य षष्ठी (छठ पूजा)' के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अंतगर्त सभी कार्यालयों में अवकाश घोषित करते है।

छठ पूजा के उपलक्ष्य में प्रतिबंधित अवकाश जो कि अधिसूचना संख्या एफ. 53/627/सा.प्र.वि. /समन्व./2023/2212-2258 दिनांक 19/10/2023 के द्वारा घोषित किया गया था, उसे निरस्त किया जाता है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर
प्रदीप तायल 06.11.2024
(प्रदीप तायल)
उप सचिव (सा.प्र.वि.)

दिल्ली सरकार चिटफण्ड और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जो झूठे वादे और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़प लेती हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है।

इस विषय में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, "लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिए दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नज़र रखेगी।"

बता दे कि, नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के लिए एक सीमा तय की है ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में 5 लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि, इनका गलत इस्तेमाल न हो।"

इन नियमों के साथ, अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा।

सीएम आतिशी ने कहा कि, अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालो को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी।1

दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए नियम धोखाधड़ी वाली योजनाओं को खत्म करने और सुरक्षित वित्तीय माहौल बनाने में मदद करेंगे, खासकर उन छोटे समूहों के लिए जो ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

बदमाशों की दिल्ली पुलिस को खुली चुनौती, पहले पश्चिम विहार बाद में छावला में अंधाधुंध चलाई गोलियां

दिल्ली में दो जगहों पर फायरिंग की घटना सामने आई। जिनमें पहली घटना पश्चिम विहार की है जबकि दूसरी छावला की है। यहां पर बदमाशों ने जमकर गोलियां चलाईं। शूटरों का मकसद किसी को जान से मारने का नहीं था बल्कि डराने का था। पुलिस को दोनों घटना में किसी एक गिरोह के ही शामिल होने का शक है। फिलहाल जांच जारी है।

दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को पहले पश्चिम विहार और फिर छावला में बदमाशों ने जमकर गोलियां चलाईं। गनीमत यह रही कि दोनों जगहों पर गोलियों की जद में कोई व्यक्ति नहीं आया। बदमाशों के तौर तरीके से यह साफ जाहिर हो रहा था कि किसी को मारना या घायल करना नहीं बल्कि कारोबारियों में मन भय पैदा कर उनसे रंगदारी वसूलना था। दोनों जगहों पर वारदात में बाइक सवार तीन बदमाश शामिल थे, इससे दोनों घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह के बदमाश के हाथ होने की आशंका है। प्राथमिक जांच के आधार पर पुलिस का पहला शक नंदू गिरोह पर है। पश्चिम विहार वेस्ट व छावला थाना पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी है। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पश्चिम विहार में पहले चली गोली

गोली चलने का मामला पहले पश्चिम विहार में सामने आया। पश्चिम विहार वेस्ट थाना पुलिस को दिन में दिन में 2.30 बजे मीरा बाग स्थित राजमंदिर हाइपर मार्केट पर गोली चलने की सूचना मिली। मौके पर करीब आठ राउंड गोली चलाई गई।

दिल्ली में अब तेजी से हो सकेगी बिजली की हाई-टेंशन लाइनों की शिफ्टिंग

सुषमा रानी

नईदिल्ली। दिल्ली में अब बिजली की हाई टेंशन लाइनें तेजी से शिफ्ट हो सकेंगी। सीएम आतिशी के निर्देश पर हाई-टेंशन लाइन शिफ्टिंग की नीतियों को आसान किया जाएगा।

इस बाबत दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी) नए दिशा निर्देश जारी करेगी। जिसका उद्देश्य लाइन शिफ्टिंग के लिए बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है।

बता दे कि, नीति के अंतर्गत, उन योजनाओं के लिए फंड आवंटन का प्रावधान है जिनमें 11kV, 33kV एवं 66kV हाई टेंशन (एचटी) तथा 400 वोल्ट लो टेंशन (एलटी) लाइनें शामिल हैं, जो लोगों की सुरक्षा के लिए शिफ्ट की जानी हैं।

इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों, किसान, सार्वजनिक भवनों एवं अनधिकृत कॉलोनियों के लिए सरकार द्वारा शिफ्टिंग की पूरी लागत का वहन किया जाता है। वर्तमान में बिजली कंपनियाँ 100% अग्रिम भुगतान के बाद ही हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट करती थी। जिसमें काफ़ी समय लगता था लेकिन अब 30% अग्रिम भुगतान के साथ हाई टेंशन लाइनें शिफ्ट हो सकेंगी। इस बाबत डीईआरसी द्वारा जल्द दिशानिर्देश जारी किए जाएँगे।

सरकार का यह कदम दिल्लीवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे बिजली लाइनों के शिफ्टिंग की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। इससे बुराड़ी, किरारी और बवाना विधानसभा में बिजली की 9 हाई-टेंशन लाइनें जल्द शिफ्ट हो सकेंगी। साथ ही दिल्ली भर में और भी स्थान जहाँ हाई-टेंशन लाइनें शिफ्ट करने की आवश्यकता है उसमे भी तेजी आएगी।

किराड़ी विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

1. निठारी चौक से पीएसएम स्कूल, प्रताप विहार-3
2. विशाल मेगा मार्ट से नाग मंदिर, किराड़ी
3. किराड़ी राशन ऑफिस से दुर्गा चौक
4. गैस बर्तन भंडार, किराड़ी
5. निठारी से मुबारकपुर चौक, किराड़ी

बुराड़ी विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

1. शनि मंदिर कॉलोनी, कुशक-2, बुराड़ी
2. नांगलीपूना एक्सटेंशन
3. कुशक-1, बुराड़ी

बवाना विधानसभा में शिफ्ट होने वाली हाई टेंशन लाइनें

1. आरा कॉलोनी, कुतुबगढ़

पूरे दिल्ली में चुनाव की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक लाख पदाधिकारी बनाएगी 'आप'

सुषमा रानी

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बूथ स्तर पर पार्दी के कार्यकर्ताओं का मनोबल और बढ़ाने के लिए आम आदमी पार्टी 11 नवंबर से दिल्ली में जिला सम्मेलन कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। जिसके तहत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बताया कि 11 से 20 नवंबर तक दिल्ली के 14 जिलों में यह कार्यक्रम किया जाएगा। पूरे दिल्ली में चुनाव की जिम्मेदारी संभालने के लिए आम आदमी पार्टी के एक लाख पदाधिकारी बनाएगी। हर जिले में पांच विधानसभा क्षेत्र कवर होंगे। 11 नवंबर से शुरू होने वाला यह सम्मेलन 20 नवंबर तक चलेगी जिसके तहत 11 नवंबर को किराड़ी और तिलक नगर जिला, 12 नवंबर को राजेंद्र नगर और संगम विहार जिला, 15 नवंबर मॉडल टाउन और नजफगढ़ जिला, 16 नवंबर को त्रिलोकपुरी और बाबरपुर जिला, 18 नवंबर को वजीरपुर और नरेला, 19 नवंबर को कड़कड़डूमा और घोंडा, 20 नवंबर को महरौली और नई दिल्ली विधानसभा में होगा। दिल्ली में हमने जिन विपरीत परिस्थितियों में काम किया, उस काम और अरविंद केजरीवाल के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम अपनी तैयारी कर रहे हैं। पहले भी हमने अपने कार्यकर्ता और वालंटियर्स के दम पर सरकार बनाई है और विपरीत परिस्थितियों में काम करके दिखाया है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बुधवार को राज निवास मार्ग, सिविल लाइन में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली विधानसभा की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार सक्रिय है। पिछले दिनों हमने पहले चरण के तहत सभी विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली सरकार द्वारा किए गए कामों और विकास कार्यों का हिसाब-किताब 'आपका विधायक आपका द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से जनता के सामने पहुंचाने में सफलता हासिल की। 'आपका विधायक आपका द्वार' कार्यक्रम के बाद पूरी दिल्ली के अंदर हर बूथ पर बैठकों के द्वारा जिन लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए वॉलंटियर के तौर पर काम करने के लिए जिम्मेदारी ली है, उन सभी लोगों की बूथ कमिटियों का गठन का काम पूरा कर लिया गया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और तमाम वरिष्ठ नेताओं ने दिवाली से पहले दिल्ली की सभी विधानसभाओं में सफलतापूर्वक पदयात्रा संपन्न की है। दिवाली के बाद दिल्ली के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में अरविंद केजरीवाल की पदयात्रा का दूसरा चरण चल रहा है।

गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली चुनावों को मद्देनज़र अपनी तैयारियों को तेज करने के लिए हर बूथ पर बनी हमारी कमिटियों और हमारे बूथ व मंडल स्तर के पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए आम आदमी पार्टी अगले 11 नवंबर से जिला पदाधिकारी सम्मेलन शुरू करने जा रही है। इस सम्मेलन के लिए हमने दिल्ली के अंदर संगठनात्मक आधार पर पार्टी के लिहाज से 14 जिले बनाए हुए हैं। हर जिले में पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं। 11 नवंबर से इन 14 जिला सम्मेलनों का आयोजन शुरू होगा। इस जिला सम्मेलन में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। उनके साथ-साथ पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। इस जिला सम्मेलन में बूथ, मंडल, वार्ड और विधानसभा स्तर के सभी पदाधिकारियों को शपथ भी दिलाई जाएगी। इस जिला सम्मेलन में सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को अगले विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का टारगेट दिया जाएगा।

गोपाल राय ने कहा कि 11 नवंबर से हम जिला सम्मेलन शुरू कर रहे हैं, दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में 14 जिला सम्मेलन होंगे। 20 नवंबर को इसका समापन होगा। हर जिले में 5 विधानसभा हैं, जिसमें बूथ स्तर के पदाधिकारी शामिल होंगे। इन अलग-अलग जिला सम्मेलनों के माध्यम से करीब 1 लाख बूथ स्तर के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई जाएगी। यह पदाधिकारी मिलकर 20 नवंबर के बाद आम आदमी पार्टी के अगले चुनावी अभियान की जिम्मेदारी संभालेंगे।

हौज खास में छठ को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के टकराव के सवाल पर गोपाल राय ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी और भाजपा का टकराव नहीं है। यह पूर्वांचल के लोगों के प्रति भाजपा के नेताओं में जो नफरत है, उसकी अभिव्यक्ति है। भाजपा इस बात को पचा नहीं पा रही है कि जिस दिल्ली के अंदर भाजपा के नेता पूर्वांचल के लोगों को लेकर नफरती बयान देते थे, आज उसी दिल्ली में एक हजार से ज्यादा जगहों पर धूमधाम से छठ पूजा मनाने की तैयारी चल रही है। गुरुवार को सूर्य देवता को अर्घ देने का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, इसकी बेचैनी भाजपा के नेताओं में दिख रही है।

राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र का एकदिवसीय ओपन हाउस

सुषमा रानी

नईदिल्ली। 6 नवम्बर 2024 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले संस्थान राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र नोएडा में एक दिवसीय ओपन हाउस तथा भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव -2024 का कर्टेन रेज़र आयोजित किया गया। नोएडा के सेक्टर-62 में स्थित यह संस्थान गणितीय मॉडलों का सुपर कंप्यूटर में उपयोग करते हुए भारत मौसम विभाग के लिए पूर्वानुमान उत्पन्न करता है. भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के 10वें अंक का आयोजन इस वर्ष आई. आई. टी. गुवाहाटी में किया जाना सुनिश्चित हुआ है. विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, अंतरिक्ष विभाग और परमाणु ऊर्जा विभाग, विज्ञान भारती (VIBHA) के सहयोग से, 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में 10वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF-2024) का आयोजन कर रहे हैं।

NCMRWF नोएडा में हुए आज के आयोजन का उद्देश्य जान सामान्य विशेषकर विद्यार्थियों को भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के दौरान होने वाली रचनात्मक गतिविधियों तथा वैज्ञानिक शोध के प्रति जागरूक करते हुए देश में होने वाले वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराया जाना था. इस वर्ष IISF की विषय वस्तु या टॉपिक अथवा थीम ₹भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना₹ है. इस कार्यक्रम में भारती विद्यापीठ नई दिल्ली, जे एस एस एकेडमी नोएडा, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, तथा मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से लगभग 125 छात्र तथा अध्यापक सम्मिलित हुए. इनके अलावा मीडिया एवं सामान्य जान मानस की भागीदारी भी दर्ज की गयी. लगभग 220 आगंतुकों ने संस्थान का भ्रमण किया. आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ ओ पी मिश्रा थे, जो वर्तमान में राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के प्रमुख तथा निदेशक हैं , इनके अलावा विज्ञान भारती की मेरठ प्रान्त की सचिव डॉ गौरी मिश्रा, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन संस्थान से डॉ नितिन मौर्य, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से डॉ जगवीर सिंह, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र के निदेशक डॉ वी एस प्रसाद, डॉ. बी. अथियामन तथा डॉ अखिलेश मिश्रा ने छात्रों किया। संस्थान में होने वाले मौसम तथा जलवायु से सम्बंधित शोध पर विशेष व्याख्यान दिए गए तथा प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को समर्पित नए सुपर कंप्यूटर अरुणिका तथा मिहिर का भ्रमण कराया गया तथा उसके महत्व एवं उपयोग के बारे में व्याख्यान दिए गए .

असुविधा के लिए खेद है! छठ पूजा को लेकर बदला रहेगा रूट, नोएडा आने-जाने वाले करें इन रास्तों का इस्तेमाल

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा शहर में छठ पूजा को लेकर विभिन्न मार्गों पर शुक्रवार तक रूट का डायवर्जन रहेगा। दिल्ली और एनसीआर से नोएडा आने वाले चालकों को वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। ताकि वह किसी प्रकार की परेशानी में ना फंसे। ग्रेटर नोएडा की तरफ आने वाले भारी वाहनों का चरखा गोलचक्कर से डायवर्जन रहेगा। पढ़ें पूरी खबर।

नोएडा। जिले में छठ पूजा को लेकर विभिन्न मार्गों पर शुक्रवार तक रूट डायवर्जन रहेगा। वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करके राहगीर अपने गंतव्य को जा सकेंगे। पुलिस उपायुक्त यातायात यमुना प्रसाद ने बताया कि छठ पूजा को लेकर बुधवार से रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है।

यह रूट डायवर्जन शुक्रवार को छठ पूजा (Chhath Puja 2024) समाप्त होने तक लागू रहेगा। महामाया फ्लाई ओवर से सरिता विहार होकर दिल्ली जाने वाले कालिंदी कुंज मार्ग, नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21ए, चोटपुर, बहलोलपुर सेक्टर 63 तथा हिंडन पुल कुलेशरा पर लागू रहेगा। इन मार्गों पर भारी व मध्यम मालवाहक वाहनों प्रतिबंध लागू रहेगा। भीड़भाड़ ज्यादा होने पर आवश्यकता पड़ने पर हल्के वाहनों का भी डायवर्जन किया जा सकता है।

गोलचक्कर से रहेगा डायवर्जन

ग्रेटर नोएडा की ओर से आने वाले मालवाहक वाहनों का चरखा गोलचक्कर से डायवर्जन रहेगा। यह वाहन डीएनडी, चिल्ला होकर दिल्ली जाएंगे।

महामाया फ्लाई ओवर के ऊपर सेक्टर 37 की ओर से आने वाले मार्ग पर आवश्यकता पड़ने पर मालवाहक वाहनों वाहनों का डायवर्जन फ्लाई ओवर समाप्ति पर गऊशाला गोलचक्कर से चरखा गोलचक्कर की ओर रहेगा।

हिंडन कुलेशरा पर सूरजपुर की ओर से फेस दो जाने वाले मालवाहक वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर कच्ची सडक तिराहा से किसान चौक की ओर डायवर्ट रहेगा।

वैकल्पिक मार्गों का ही करें प्रयोग

डीसीपी ने बताया कि असुविधा व जाम जैसी समस्या से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की अपील की है। जिस से किसी तरह की परेशानी उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर संपर्क करने की अपील की है।

जमीन पर यमुना प्राधिकरण अब करेगा सेक्टर का निर्माण

मास्टर प्लान की सीमा को लांघ पर एक दशक पहले खरीदी गई जमीन पर यमुना प्राधिकरण अब सेक्टर बसाएगा। करोड़ों रुपये की जमीन प्राधिकरण के लिए अब सोना के भाव से कम नहीं होगी। अभी तक यह जमीन किसानों के कब्जे में है, लेकिन मास्टर प्लान 2041 में शामिल होने के बाद सेक्टरों के विकास का रास्ता साफ जाएगा। बता दें अभी यह जमीन टुकड़ों में अलग-अलग जगह बंटी हुई है। इस पर सेक्टर विकसित करने के लिए प्राधिकरण को बाकी जमीन खरीदनी होगी।

प्राधिकरण सालों बाद अब इस जमीन को करेगा विकसित

यमुना प्राधिकरण (Yamuna Authority) के फेज एक में गौतमबुद्ध नगर व बुलंदशहर के गांव अधिसूचित है। मास्टर प्लान 2021 में केवल 96 गांवों को ही शामिल किया गया था। लेकिन प्राधिकरण के तत्कालीन अफसरों ने मास्टर प्लान से बाहर जाकर दयानतपुर, बैलाना आदि गांव में 700 एकड़ जमीन खरीद ली।

नगर निगम चुनाव को लेकर सुगबुगाहट तेज, कांग्रेस ने जीत के लिए चला ये दांव

हरियाणा में हाल ही लोकसभा और विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं। प्रदेश में अब बहुत जल्द ही नगर निगम चुनाव के कराए जाने की चर्चा जोरों पर है। इसके लिए भाजपा और कांग्रेस समेत तमाम पार्टियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस सदस्यता अभियान चलाएगी। गुरुग्राम जिले में बढ़े वोट प्रतिशत का कांग्रेस भरपूर फायदा लेना चाहेगी।

गुरुग्राम। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अब जल्द ही हरियाणा में नगर निगम चुनाव के कराए जाने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। गुरुग्राम में भाजपा के साथ-साथ अब कांग्रेस भी इसकी तैयारी में जुट गई है।

यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष निशित कटारिया ने कहा कि जिला कांग्रेस निगम चुनाव में जाने से पहले सदस्यता अभियान चलाएगी। इसको लेकर जल्द कवायद शुरू होगी।

वोट फीसदी बढ़ने के बाद कांग्रेसियों का बढ़ा मनोबल

गुरुग्राम भाजपा जहां लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जीत से उत्साहित है तो दोनों ही चुनाव में जिले में बढ़े वोट प्रतिशत के आधार पर कांग्रेसियों का मनोबल भी बढ़ा हुआ है।

लोकसभा चुनाव में फिल्म अभिनेता व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजबब्बर मैदान में थे। हालांकि, भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह से बेहद कड़े मुकाबले में यह हार गए थे। इसके बाद बीते महीने हुए विधानसभा चुनावों में भी गुरुग्राम की चारों विधानसभा सीटों से कांग्रेस प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा।

कई कांग्रेस नेता निगम चुनाव में लड़ने का बना चुके मन

दोनों ही चुनावों में कांग्रेस हारी जरूर, लेकिन पिछले दस सालों के मुकाबले वोट प्रतिशत में भारी इजाफा हुआ। विधानसभा चुनाव में 2019 के मुकाबले 2024 में तीन गुना अधिक 26.70 प्रतिशत वोट कांग्रेस के खाते में गए। इससे हार के बाद भी कांग्रेसियों में निराशा के भाव नहीं हैं। जिले के कई कांग्रेस नेता निगम चुनाव में लड़ने का मन भी बना चुके हैं।

सदस्यता अभियान से आगे की रणनीति करेंगे तैयार

यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष निशित कटारिया ने बताया कि निगम चुनाव जनवरी के बाद कभी भी हो सकते हैं। इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही यूथ कांग्रेस की बैठक कर सदस्यता अभियान चलाने की योजना बनाई जाएगी। घर-घर कांग्रेस की पहुंच को लेकर अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद आगे की रणनीति तैयार करेंगे।

अगले 72 घंटे में राजीव चौक और सदर बाजार में गरजेगा बुलडोजर! GMDA अतिक्रमण हटाने के लिए चलाएगी अभियान

Bulldozer Action in Gurugram गुरुग्राम स्थित राजीव चौक और सदर बाजार को गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण यानी जीएमडीए की एन्फोर्समेंट टीम अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए अभियान चलाने वाली है। इससे पहले अधिकारी ने कब्जा करने वालों को चेतावनी दी है। जिसमें कहा गया कि 72 घंटे के अंदर जगह को खाली नहीं किया गया तो फिर एक्शन होगा।

ग्रेटर नोएडा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की एन्फोर्समेंट टीम राजीव चौक और सदर बाजार में अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाएगी। अभियान से पहले जीएमडीए के डीटीपी आरएस बाठ और टीम ने दोनों स्थानों पर अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दी।

अगर 72 घंटे के अंदर जगह को खाली नहीं किया गया तो अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जीएमडीए की एन्फोर्समेंट टीम ने एनएचएआइ और पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ राजीव चौक का दौरा किया।

यातायात की आवाजाही भी हो रही बाधित

तोड़फोड़ अभियान में पहले हटाई गई झुग्गियों को दोबारा बनाकर फ्लाइओवर के नीचे, मेडिसिटी रोड के साथ और पैदल यात्री अंडरपास के पास के क्षेत्र में अतिक्रमण कर लिया था। इससे यातायात की आवाजाही भी बाधित हो रही है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद प्रशासन एक्शन के मोड में नजर आ रहा है।

'सड़क किनारे रहने वाले लोग तुरंत हटा लें अपना सामान'

इसके अलावा गुरुग्राम नगर निगम की हाल ही में हुई बैठक में सदर बाजार में अतिक्रमण का मामला उठाया गया था और इसके बाद की कार्रवाई के रूप में डीटीपी आरएस बाठ ने अपनी टीम और निगम की टीम के साथ सदर बाजार का दौरा किया। यह भी घोषणा की गई कि रेहड़ी मालिक, फेरीवाले और सड़क किनारे रहने वाले लोग तुरंत अपना सामान हटा लें और क्षेत्र पर अतिक्रमण न करें।

अवैध कॉलोनी में रास्ते पूरी तरह किए गए ध्वस्त

बता दें इससे पहले हाल ही में गुरुग्राम के नगर योजनाकार विभाग के डीटीपी एन्फोर्समेंट टीम ने फरुखनगर कस्बे समेत कई अन्य जगहों पर बड़ी मात्रा में तोड़फोड़ की की। खेड़ा रोड पर कट रही अवैध कॉलोनी में रास्ते पूरी तरह ध्वस्त करके हटाए गए। डाबोदा मोड़ के नजदीक एक सर्विस स्टेशन एक कॉलोनी में मकान के अलावा काफी संख्या में डीपीसी ध्वस्त की गई।

कार्रवाई को रुकवाने के लिए व्यापारियों ने अपनाए कई हथकंडे

टीम ने फरुखनगर बाईपास के अलावा सुल्तानपुर में भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की। टीम की तीन-चार जेसीबी समेत भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद दिखे। तोड़फोड़ के दौरान डीलरों और व्यापारियों ने हर संभव कार्रवाई को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाए।

घर का सपना होगा पूरा! सालों पहले खरीदी जमीन अब उगलेगी सोना, यीडा का क्या है मास्टर प्लान 2041

परिवहन विशेष न्यूज

Yamuna Authority यमुना प्राधिकरण ने मास्टर प्लान 2041 में शामिल करते हुए एक दशक पहले खरीदी गई जमीन पर सेक्टर विकसित करने का फैसला किया है। यह जमीन गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर के गांवों में स्थित है। प्राधिकरण ने पहले ही किसानों को मुआवजा दे दिया है। अब इस जमीन पर नए सेक्टर नियोजित किए जाएंगे और भूखंड योजना निकाली जाएगी।

ग्रेटर नोएडा। मास्टर प्लान की सीमा को लांघ पर एक दशक पहले खरीदी गई जमीन पर यमुना प्राधिकरण अब सेक्टर विकसित करेगा। करोड़ों रुपये की जमीन प्राधिकरण के लिए अब सोना उगलेगी।

अभी तक यह जमीन किसानों के कब्जे में है, लेकिन मास्टर प्लान 2041 में शामिल होने के बाद सेक्टरों के विकास का रास्ता साफ हो गया है। अभी यह जमीन टुकड़ों में अलग-अलग जगह बंटी है, इस पर सेक्टर विकसित करने के लिए प्राधिकरण को शेष जमीन क्रय करनी होगी।

प्राधिकरण वर्षों बाद अब इस जमीन को करेगा विकसित

यमुना प्राधिकरण (Yamuna Authority) के फेज एक में गौतमबुद्ध नगर व बुलंदशहर के गांव अधिसूचित है। मास्टर प्लान 2021 में केवल 96 गांवों को ही शामिल किया गया था। लेकिन प्राधिकरण के तत्कालीन अफसरों ने मास्टर प्लान से बाहर जाकर दयानतपुर, आकलपुर, बैलाना आदि गांव में 700 एकड़ जमीन खरीद ली। लेकिन छोटे-छोटे टुकड़ों में अलग-अलग जगह खरीदी गई यह जमीन प्राधिकरण के किसी काम की नहीं रही।

मास्टर प्लान से बाहर होने और अलग-अलग जगह टुकड़ों में होने के कारण प्राधिकरण इस जमीन पर आज तक कोई योजना नहीं निकाल पाया। जमीन पर किसानों का ही कब्जा बना रहा, जबकि प्राधिकरण की ओर से जमीन का मूल मुआवजा और 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा भी वितरित कर दिया गया।

प्राधिकरण वर्षों बाद अब इस जमीन को विकसित करेगा। पूर्व में क्रय की गई जमीन को प्राधिकरण ने मास्टर प्लान 2041 में शामिल कर लिया है। इस पर नए सेक्टर नियोजित किए गए हैं, जो जमीन अभी प्राधिकरण ने क्रय नहीं की है, उसे क्रय किया जाएगा ताकि समेकित रूप से सेक्टर विकसित करने में कोई अड़चन न हो।

योजना निकालकर होगा भूखंडों का आवंटन

पूर्व में खरीदी गई जमीन पर नए सेक्टर विकसित किए जाएंगे। इन सेक्टरों में आवंटन के लिए भूखंड योजना निकाली जाएगी। आवासीय समेत संस्थागत, कामर्शियल भूखंड योजना में इनका आवंटन होगा।

वर्षों बाद प्राधिकरण के लिए सोना उगलेगी जमीन

प्राधिकरण ने मास्टर प्लान से बाहर जाकर 2012-13 में जमीन खरीदी थी, उस वक्त प्राधिकरण क्षेत्र में मुआवजा और आवंटन दरें काफी कम थीं, लेकिन अब प्राधिकरण क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कारण जमीन की मांग काफी अधिक बढ़ गई है। कामर्शियल, औद्योगिक श्रेणी में नीलामी के आधार पर आवंटन हो रहा है। हर साल आवंटन दरों में पांच प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो रही है। प्राधिकरण के लिए अब यह जमीन सोना उगलने को तैयार है।

हाथरस में भी क्रय हुई थी जमीन

मास्टर प्लान से बाहर हाथरस जिले में भी जमीन क्रय की गई थी, उस वक्त फेज दो का मास्टर प्लान तैयार नहीं हुआ था। प्राधिकरण का फेज दो का मास्टर प्लान 2031 अब शासन से स्वीकृत हो चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप की इस प्रचंड जीत से दुनिया की सेहत पर क्या बड़ा फर्क पड़ने वाला है?

नीरज कुमार दुबे

इस चुनाव की खास बात यह भी रही कि अमेरिका में भी चुनाव सर्वेक्षण विफल साबित हुए हैं। पहले सबने अनुमान लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर रहने वाली है और इस बार का चुनाव अमेरिकी इतिहास में सबसे करीबी मुकाबले के रूप में देखा जायेगा।

अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीत कर डोनाल्ड ट्रंप ने वो कर दिखाया है जो इससे पहले कोई अमेरिकी नेता नहीं कर सका था। ट्रंप चार साल व्हाइट हाउस से बाहर रहे। तमाम मुकदमे झेले, कोर्टों के चक्कर लगाये, चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर गोली झेली। हम आपको याद दिला दें कि चुनाव प्रचार की शुरुआत में जानलेवा हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे। उस समय गोली उनके कान को छूकर निकल गयी थी लेकिन अमेरिका को महान बनाने का संकल्प लेकर ट्रंप ने लोगों का समर्थन मांगा और उन्हें भरपूर समर्थन मिल भी गया। ट्रंप पिछला चुनाव करीबी मुकाबले में हार गये थे लेकिन इस बार उन्होंने अच्छे अंतर से चुनाव जीत कर साबित कर दिया है कि जनता का विश्वास उनके साथ है। ट्रंप के रहते आतंकवादी और उनके आका अपने बिल से बाहर निकलने का साहस नहीं जुटा पाते थे लेकिन पिछले चार सालों में दुनिया में आतंक बढ़ा और अमेरिका के समक्ष भी तमाम नई चुनौतियां खड़ी हुईं। उम्मीद है कि अब ट्रंप के कड़े रुख के चलते आतंकियों, उनके मददगारों और अमेरिकी जनता से पैसे ऐंठ रहे देशों की मौज-मस्ती खत्म होने होगी।

इस चुनाव की खास बात यह भी रही कि अमेरिका में भी चुनाव सर्वेक्षण विफल साबित हुए हैं। पहले सबने अनुमान लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर रहने वाली है और इस बार का चुनाव अमेरिकी इतिहास में सबसे करीबी मुकाबले के रूप में देखा जायेगा। लेकिन ट्रंप की निर्णायक जीत ने सारे चुनाव पूर्व अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। इसके अलावा, कमला हैरिस को जिस तगड़े चुनाव प्रचार के बावजूद करारी हार झेलनी पड़ी उससे यह अनुमान भी सहज ही लगाया जा सकता है कि यदि ट्रंप के मुकाबले जो बाइडन मैदान में उतरे होते तो उन्हें कितनी तगड़ी हार झेलनी पड़ती।

दुनिया के लिए क्या होंगे ट्रंप की जीत के मायने, अगर इस पर बात करें तो आपको बता दें कि अब मध्य-पूर्व में जारी जंग और यूक्रेन-रूस युद्ध खत्म होने के आसार बढ़ सकते हैं क्योंकि ट्रंप ने जीत के बाद भी कहा है कि वह युद्ध नहीं चाहते। इसके अलावा, विदेश से सभी सामानों के आयात पर 20 प्रतिशत सार्वभौमिक शुल्क लगाने की ट्रंप की योजना है। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान चेतावनी दी थी कि चीन पर 60 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। हालांकि यह इससे ज्यादा भी हो सकता है। इन कदमों से मुद्रास्फीति बढ़ने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की आशंका है। साथ ही ऐसे कदमों से प्रतिशोध, व्यापार युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था तहस-नहस होने का भी अंदेशा है।

इसके अलावा, अब यह भी देखना होगा कि मित्र देशों को शत्रु देशों से बचाने की अमेरिकी प्रतिबद्धता का क्या होता है। हम आपको बता दें कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य होने के नाते इसके अन्य सदस्यों की मदद के लिए आगे आना अमेरिका का दायित्व है। नाटो के अनुच्छेद पांच के अनुसार यदि कोई देश किसी नाटो सदस्य पर हमला करता है तो वह सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है। अमेरिका ने जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी ऐसी ही संधियां कर रखी हैं। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो ने रूस से जारी युद्ध में यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता प्रदान की है। इसके विपरीत ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह यूक्रेन को दी जा रही मदद रोक देंगे और कीव पर दबाव बनाएंगे कि वह रूस की शर्तों के अनुसार शांति प्रक्रिया अपनाए। ट्रंप बड़े-बड़े संगठनों को ताकत व प्रभाव दिखाने के मंच के रूप में देखने की बजाय खतरे की वजह और बोझ मानते हैं। हम आपको याद दिला दें कि अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अमेरिका को बाहर कर लिया था।

इस तरह की रिपोर्टें हाल में देखने को मिली हैं कि अमेरिका के कई पूर्व अधिकारियों को संदेह है कि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिका को नाटो से निकालने की कोशिश करेंगे या समर्थन कम करके नाटो की प्रभावशीलता को कमतर कर देंगे। वहीं एशिया महाद्वीप की बात की जाए तो ट्रंप ने हाल में कहा था कि ताइवान को अमेरिका की ओर से मिल रही सुरक्षा के लिए भुगतान करना चाहिए। ट्रंप की इस टिप्पणी से यह संकेत मिलता है कि ताइवान की रक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता कमजोर हो सकती है।

इसके अलावा, इस तरह की रिपोर्टें भी सामने आई हैं कि अमेरिका में आंतरिक व्यवस्था में भी अब बदलाव देखने को मिल सकता है। हम आपको बता दें कि अमेरिका में दक्षिणपंथ की ओर झुकाव रखने वाले एक थिंकटैंक ने 'प्रोजेक्ट 2025' तैयार किया है। अगर डोनाल्ड ट्रंप यह प्रोजेक्ट लागू करते हैं तो नौकरशाही में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस प्रोजेक्ट के लागू होने पर संविधान के प्रति निष्ठा रखने वाले 50 हजार अधिकारियों को हटाकर उनकी जगह ट्रंप के प्रति वफादार अधिकारियों को नियुक्त किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन न्याय, ऊर्जा और शिक्षा विभाग के साथ-साथ एफबीआई और फेडरल रिजर्व जैसी असंख्य संघीय एजेंसियों को भंग कर सकता है और अपने नीतिगत एजेंडे को लागू करने के लिए कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है।

जहां तक भारत के साथ अमेरिका के संबंधों की बात है तो इसमें किसी बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी होगा। ट्रंप के साथ व्यापार और आव्रजन को लेकर बातचीत में कठिनाइयां सामने आ सकती हैं हालांकि कई अन्य मुद्दों पर उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंध बहुत अच्छे हैं। इसके अलावा, ट्रंप जानते हैं कि भारत अगले 20-30 वर्षों में किसी समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा इसलिए वह इसकी अनदेखी करने का जोखिम नहीं उठाएंगे। ट्रंप की जीत के तत्काल बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए ट्वीट करते हुए कहा है कि मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए तत्पर हूं। प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के साथ ट्रंप और अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका ने 1776 में अपनी स्थापना के समय से ही लोकतंत्र के माध्यम से दुनिया को आकर्षित एवं प्रेरित किया है। हालांकि, इस समय लोकतंत्र पर जो खतरा मंडराता दिख रहा था, वैसा खतरा पहले कभी नहीं देखा गया था। चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि कराधान, आव्रजन, गर्भपात, व्यापार, ऊर्जा और पर्यावरण नीति तथा दुनिया में अमेरिका की भूमिका समेत कई मामलों पर अमेरिकी मतदाता बहुत हद तक विभाजित दिखे।

– :सौजन्य :–

ईवी ड्राइव द फ्यूचर

टाटा पावर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में ईवी चार्जिंग नेटवर्क का किया विस्तार

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग समाधान प्रदाता टाटा पावर ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में एक नया ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की घोषणा की है। इस स्थापना का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी को बढ़ाना है, जो सुल्तानपुर, बलिया और गोरखपुर जैसे शहरों को जोड़ेगा। यह परियोजना बलिया से लखनऊ तक एक कॉरिडोर खोलती है, जिससे ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक पहुंच की सुविधा मिलती है।

नए बुनियादी ढांचे में बलिया में पुनीत ऑटो सेल्स में 30 किलोवाट का चार्जर शामिल है, जो इस नेटवर्क का शुरुआती बिंदु है, जबकि आजमगढ़ में सर्वोदय डिजिटल लाइब्रेरी में एक और 30 किलोवाट का चार्जर उपलब्ध है, जो 130 किलोमीटर की दूरी की यात्रा में सहायक है। मार्ग पर आगे सुल्तानपुर में मोटल एनएच 56 में 30 किलोवाट का चार्जर है, इसके बाद लखनऊ में शालीमार कॉर्पोरेट पार्क में 60 किलोवाट का फास्ट चार्जर है।

यह पहल पूर्वी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक कनेक्टिविटी को बढ़ाती है और सुलभ ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करके भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव का समर्थन करने के टाटा पावर के लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी का लक्ष्य बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करना और होटल, राजमार्ग, मॉल, कार डीलरशिप और कार्यालयों जैसे रणनीतिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

टाटा पावर ने एक व्यापक ईज़ी चार्ज नेटवर्क विकसित किया है, जिसमें 550 से ज़्यादा शहरों और कस्बों में 100,000 से ज़्यादा होम चार्जर इंस्टॉलेशन और 5,500 से ज़्यादा चार्जिंग पॉइंट शामिल हैं। नेटवर्क में 1,100 से ज़्यादा बस चार्जिंग पॉइंट भी शामिल हैं, जो मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर और जम्मू जैसे शहरों में संचालित हैं।

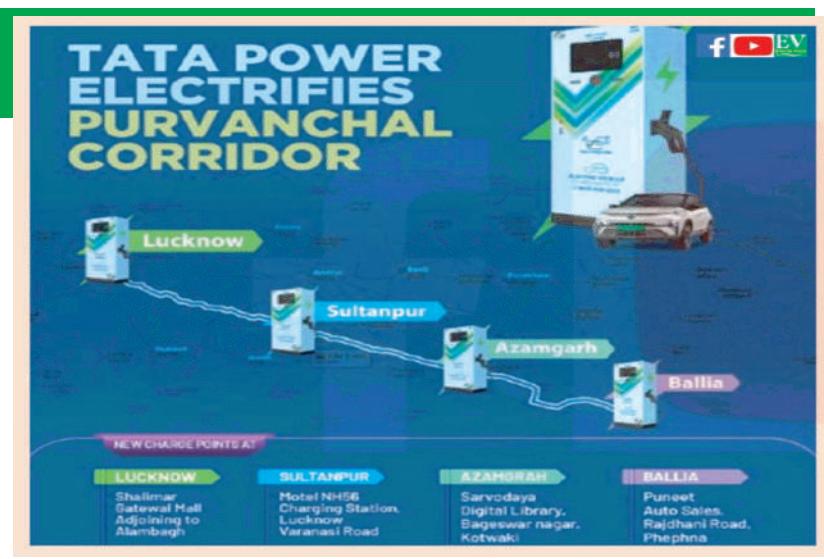

केंद्र सरकार फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को ला सकती है ईवी के बराबर

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र सरकार ब्राजील की तर्ज पर फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को बढ़ावा देने और उन्हें ईवी के बराबर लाने के लिए एक बहुआयामी नीति दृष्टिकोण को आगे बढ़ा सकती है, क्योंकि भारत अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने और हरित ऊर्जा सेवाओं और उत्पादों के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने के लिए रास्ते तलाश रहा है। फ्लेक्स फ्यूल वाहनों (एफएफवी) पर जोर महत्वपूर्ण है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति लाइनों के विपरीत, इस पारिस्थितिकी तंत्र पर चीन का सबसे कम प्रभाव है।

बिजनेसलाइन ने सरकार के कई स्रोतों से बात की, जिन्होंने पुष्टि की कि एफएफवी पर इस नीतिगत प्रोत्साहन में अन्य बातों के अलावा, माल और सेवा कर को कम करना, एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मक्का और मीठी ज्वार जैसी फसलों को नीतिगत समर्थन देना और ऐसे वाहनों को चुनने वाले उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन देना शामिल है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, ब्राजील के अलावा भारत के पास एक प्रमुख एफएफवी खिलाड़ी बनने का अवसर है और ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस (GBA) को सरकार का प्रोत्साहन यह दर्शाता है। सबसे पहले उन्हें ईवी के बराबर लाना है। एफएफवी पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि ईवी पर 5 प्रतिशत। हम इस पर वित्त मंत्रालय से चर्चा करेंगे।

अधिकारी ने बताया कि, एफएफवी को

बढ़ावा देना ग्लासगो में सीओपी26 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (LiFE) पहल के अनुरूप भी है। एफएफवी के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना भी मोदी के "वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में लचीलापन और विश्वसनीयता" और "बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने" के महत्व को पहचानने पर जोर देने के साथ प्रतिध्वनित होता है।

एक अन्य शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सरकार पहले से ही मक्का के माध्यम से एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा हम मीठी ज्वार पर भी विचार कर रहे हैं और अधिक फसलों पर विचार किया जाएगा, जिसके लिए अनुसंधान और विकास चल रहा है ताकि भारत की खाद्य सुरक्षा से समझौता न हो। भले ही एफएफवी केवल 30 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर चले, लेकिन लाभ काफी होगा, क्योंकि भारत जीवाश्म ईंधन की खरीद पर सालाना 120 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च करता है। वर्तमान में भारत की एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 1,683 करोड़ लीटर है, जो अक्टूबर 2026 तक 20 प्रतिशत मिश्रण जनादेश को पूरा करने के लिए पर्याप्त से अधिक है।

एक अन्य शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत कम विकसित देशों विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में किफायती और प्रतिस्पर्धी हरित ऊर्जा उत्पादों और सेवाओं के लिए विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की एक अनूठी स्थिति में है। यह अपने बढ़ते घरेलू विनिर्माण आधार के लिए बाजार प्रदान करने के लिए नवीकरणीय और जैव ईंधन में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है। सूत्रों ने कहा कि ब्राजील एफएफवी पर भारत के लिए सबसे अच्छा उदाहरण है, जो वर्तमान में दक्षिण अमेरिकी देश के हल्के-ड्यूटी वाहन बेड़े का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है। मिश्रण जनादेश मात्रा के आधार पर 27 प्रतिशत है। पिछले वर्ष भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान जी.बी.ए. के शुभारंभ के बाद ब्राजील ने अब अपनी नई उद्योग नीति प्रस्तुत की है, जिसका लक्ष्य 2033 तक परिवहन ऊर्जा मिश्रण में जैव ईंधन की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है।

लखनऊ में ई-रिक्शा चालकों की समस्याएं दूर करेगा महासंघ

परिवहन विशेष न्यूज

ई-रिक्शा व ई-ऑटो महासंघ के गठन का मंगलवार को एलान किया गया। इसके अध्यक्ष पद पर शहर के ई-रिक्शा चालकों के 12 संगठनों ने मारिफ अली खान को चुना। लखनऊ के कैसरबाग स्थित ई-रिक्शा एंड ई-ऑटो चालक/मालिक संयुक्त मोर्चा के कार्यालय में मोर्चे की अध्यक्ष ममता तिवारी ने पत्रकारों से कहा कि ई-रिक्शा चालकों के व्यवसाय प्रबंध व समस्याओं के समाधान के लिए मोर्चा महासंघ के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा चालकों को पानी, शौचालय, पिकप स्टैंड व चार्जिंग जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है।

11 नवंबर को लॉन्च होगी नई मारुति स्विफ्ट डिजायर, जानिए चारों वेरिएंट में क्या है खास

परिवहन विशेष न्यूज

नई जनरेशन की Maruti Suzuki Dzire को भारत में 11 नवंबर 2024 को लॉन्च किया जाएगा। इसे चार वेरिएंट में लॉन्च किया जाएगा। इसके टॉप स्पेक वेरिएंट में सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा मिलेगा। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको इसके सभी वेरिएंट के फीचर्स के बारे में बता रहे हैं। आइए विस्तार में जानते हैं।

नई दिल्ली। नई जनरेशन की Maruti Suzuki Dzire को 11 नवंबर को भारत में लॉन्च किया जाएगा। इसकी नई जनरेशन में बहुत सी नए फीचर्स को शामिल किया गया है। जिसमें इसके डिजाइन से लेकर फीचर्स और इंजन ऑप्शन तक शामिल है। इसे चार वेरिएंट में लाया जाएगा। अगर आप नई जनरेशन Dzire खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके के लिए है। हम यहां पर इसके सभी वेरिएंट में मिलने वाले फीचर्स के बारे में बता रहे हैं। आइए जानते हैं नई Maruti Suzuki Dzire के सभी वेरिएंट में क्या-क्या फीचर्स दिए गए हैं।

New Maruti Suzuki Dzire: Lxi वेरिएंट

इंजन

इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे 5-मैनुअल या 5-ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है।

फीचर्स

कवर के बिना 14-इंच स्टील व्हील

हैलोजन प्रोजेक्टर हेडलाइट्स

रियर डिफॉगर

कीलेस एंट्री

मैनुअल AC

पावर और टिल्ट स्टीयरिंग

6 एयरबैग्स

EBD के साथ ABS

इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल

हिल होल्ड असिस्ट

ISOFIX चाइल्ड सीट माउंट

रियर पार्किंग सेंसर

इसके बेस-स्पेक वेरिएंट में हिल होल्ड असिस्ट के साथ छह एयरबैग नए दिए गए हैं।

New Maruti Suzuki Dzire: Vxi वेरिएंट

इंजन

इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे 5-मैनुअल या 5-ऑटोमेटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। यह 1.2-लीटर पेट्रोल सीएनजी इंजन के साथ आएगी, जिसे 5-मैनुअल गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।

फीचर्स

कवर के साथ 14-इंच स्टील व्हील

बॉडी कलर हैंडल और ORVM

7-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट

वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले

4 स्पीकर

स्टीयरिंग माउंटेड ऑडियो और कॉलिंग कंट्रोल

डे/नाइट एडजस्टेबल IRVM

इलेक्ट्रिक ORVM

कप होल्डर के साथ रियर सेंटर आर्मरेस्ट

USB टाइप-A

USB टाइप-A और C (रियर)

ऊंचाई एडजस्टेबल ड्राइवर सीट

एडजस्टेबल रियर सीट हेडरेस्ट

रियर AC वेंट्स

नए फीचर्स में इंफोटेनमेंट सिस्टम, स्पीकर, स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल, चार्जिंग पोर्ट और रियर पैसेंजर के लिए AC वेंट्स दिए गए हैं। इसके सेफ्टी सूट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

New Maruti Suzuki Dzire

New Maruti Suzuki Dzire: Zxi वेरिएंट

इंजन

इस वेरिएंट में 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे 5-मैनुअल या 5-ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ लाया जाएगा। यह 1.2-लीटर पेट्रोल सीएनजी इंजन के साथ होगी, जिसे 5-मैनुअल गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।

फीचर्स

15 इंच के अलॉय व्हील

LED DRLs के साथ LED हेडलाइट्स

किआ इंडिया ने डिज़ाइन, तकनीक, स्पेस और सुरक्षा में विकसित किआ 2.0 परिवर्तन से पहली एसयूवी के स्केच किए जारी

परिवहन विशेष न्यूज

- EV9 और कार्निवल लिमोसिन से प्रेरित उन्नत तकनीक के साथ विकसित डिज़ाइन 2.0 दर्शन पर आधारित
- भविष्य की विशेषताओं और एक अभिनव सीटिंग लेआउट के साथ अद्वितीय लाउंज स्टाइल प्रीमियम इंटीरियर प्रदान करना
- प्रीमियम सुविधाओं, स्पेस और उन्नत सुरक्षा के साथ बार को ऊपर उठाने के लिए किआ का 2.0 परिवर्तन

नई दिल्ली। किआ इंडिया एक प्रमुख प्रीमियम कार निर्माता ने आज किआ 2.0 से अपनी बहुप्रतीक्षित पहली एसयूवी के स्केच का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य भारत में एसयूवी की एक अनूठी, एक नई व्हीकल बनाना है। किआ की नवीनतम एसयूवी अपने विकसित डिज़ाइन 2.0 दर्शन और तकनीक, स्पेस और सुरक्षा में उच्च-स्तरीय उन्नति के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार है। आगामी वाहन EV9 और कार्निवल लिमोसिन दोनों से प्रेरित भविष्य की गतिशीलता और आधुनिक डिजाइन सौंदर्यशास्त्र का प्रतीक है।

किआ की अगली कार पारंपरिक एसयूवी डिज़ाइन की सीमाओं को अगले स्तर तक ले जाएगी और ग्राहकों को अपने उद्देश्यपूर्ण डिज़ाइन और अत्याधुनिक तकनीक के साथ 'एसयूवी की एक नई प्रजाति का अनुभव' करने के लिए आमंत्रित करेगी, जो कि क्लास-लीडिंग सुविधा सुविधाओं और एक अल्ट्रा-विशाल, आरामदायक केबिन के साथ संयुक्त है।

इस रिलीज़ पर किआ इंडिया के एमडी और सीईओ श्री ग्वांगू ली ने कहा, "बिल्कुल नई किआ 2.0 एसयूवी हमारे उत्पादों के साथ नवाचार, डिज़ाइन उत्कृष्टता और ग्राहक-केंद्रितता के साथ परंपराओं को तोड़ने की हमारी बारहमासी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस एसयूवी को भारतीय ग्राहकों की अवास्तविक जरूरतों से प्रेरित होकर स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया है। इसमें एक अनूठी, प्रगतिशील एसयूवी डिज़ाइन भाषा है जो अब पारंपरिक एसयूवी डिज़ाइन का पालन नहीं करती है। इस एसयूवी को अपने सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स, असाधारण प्रदर्शन और बेजोड़ आराम से ग्राहकों को प्रसन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें विश्वास है कि यह समझदार भारतीय खरीदारों को पसंद आएगी जो सर्वश्रेष्ठ की मांग करते हैं।"

ई-रिक्शा व ऑटो चालक बनवा लें अपने वाहनों के जरूरी कागजात

परिवहन विशेष न्यूज

लखीसराय मे चलाने वाले ई-रिक्शा व ऑटो चालक अपने वाहन का पूर्णतः कागजात 15 दिनों के भीतर बनवा लें। 20 नवंबर 2024 से सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया जायेगा। यात्रियों से परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित भाड़ा ही लें, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जायेगी। सोमवार, 05 नवंबर को जिला परिवहन कार्यालय में एमवीआइ संदीप कुमार एवं प्रतीक कुमार की उपस्थिति में डीटीओ मुकुल पंकज मणि ने ई-रिक्शा एवं ऑटो चालक संघ के साथ बैठक परिवहन नियमों के सख्ती से अनुपालन के लिए हिदायत दी। डीटीओ मुकुल पंकज मणि ने कहा कि कागजात बनवाने के लिए कैंप भी लगाया गया है। जांच में पूर्ण कागजात नहीं रहने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। वहीं कहा कि ई-रिक्शा पर पांच व्यक्ति से अधिक बैठाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। यात्री वाहन का ठहराव रोड पर नहीं करें। उन्होंने चालकों से वाहन चलाने के लिए विधिवत प्रशिक्षण लेने को कहा है, जिसके लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिये जाने की बात भी कही।

डीटीओ ने ई-रिक्शा व ऑटो चालक संघ द्वारा भाड़ा बढ़ाये जाने की मांग को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने लखीसराय रेलवे स्टेशन से बाजार समिति मोड़ तक प्रति यात्री पांच रुपये किराया निर्धारित किया है। उससे आगे कोर्ट एरिया मोड़ अथवा जमुई मोड़ व सदर अस्पताल तक पांच रुपये अर्थात रेलवे स्टेशन से सीधे सदर अस्पताल तक 10 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। इसी तरह लखीसराय रेलवे स्टेशन से पुरानी बाजार बड़ी दरगाह मोड़ एवं टाउन थाना चौक तक पांच रुपये किराया तय किया गया है, जबकि स्टेशन से विद्यापीठ चौक जाने में यात्रियों को 10 रुपये भाड़ा देना है। डीटीओ ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में चालू वित्तीय वर्ष में भाड़ा नहीं बढ़ेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फैशन उद्योग को कैसे बदल रहा है?

विजय गर्ग

फैशन उद्योग हमेशा नवाचार और प्रौद्योगिकी में सबसे आगे रहा है, जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं, उभरते रुझानों और विनिर्माण प्रक्रियाओं में प्रगति को अपनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उदय के साथ, उद्योग एक बार फिर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिससे उत्पादों के डिजाइन, निर्माण और बिक्री के तरीके में बदलाव आ रहा है। एआई के साथ परिधान डिजाइन करना परंपरागत रूप से, कपड़ों का डिज़ाइन एक रचनात्मक प्रक्रिया है जिसमें बहुत सारे परीक्षण और त्रुटियां शामिल होती हैं।

फैशन उद्योग हमेशा नवाचार और प्रौद्योगिकी में सबसे आगे रहा है, जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं, उभरते रुझानों और विनिर्माण प्रक्रियाओं में प्रगति को अपनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उदय के साथ, उद्योग एक बार फिर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिससे उत्पादों के डिजाइन, निर्माण और बिक्री के तरीके में बदलाव आ रहा है। एआई के साथ परिधान डिजाइन करना परंपरागत रूप से, कपड़ों का डिज़ाइन एक रचनात्मक प्रक्रिया है जिसमें बहुत सारे परीक्षण और त्रुटियां शामिल होती हैं। अब एआई की मदद से स्टाइलिस्ट अधिक कुशलतापूर्वक और सटीकता से नए डिजाइन बना सकते हैं। एआई एल्गोरिदम उभरते रुझानों की पहचान करने और भविष्यवाणी करने के लिए सोशल मीडिया, फैशन ब्लॉग और उपभोक्ता खरीदारी की आदतों से बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर सकता है और भविष्यवाणी कर सकता है कि आने वाले सीज़न में कौन सी शैलियाँ और रंग लोकप्रिय होंगे, जिससे डिजाइनरों और खुदरा विक्रेताओं को आगे रहने की अनुमति मिलेगी। एआई रंग, कपड़े और शैली जैसे विशिष्ट इनपुट के आधार पर डिजाइन अवधारणाओं को भी उत्पन्न कर सकता है, जिससे डिजाइनरों को महत्वपूर्ण समय और प्रयास की बचत होती है, जबकि उन्हें खरोंच से शुरू करने के बजाय डिजाइन को परिष्कृत करने पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है। AI के साथ परिधान का निर्माण एआई फैशन उद्योग में परिधान निर्माण प्रक्रिया को भी बदल रहा है। एल्गोरिदम उत्पादन लाइनों को अनुकूलित कर सकते हैं, अपशिष्ट को कम कर सकते हैं और दक्षता बढ़ा सकते हैं। एआई विशिष्ट उत्पादों की मांग का अनुमान भी लगा सकता है और तदनुसार उत्पादन कार्यक्रम को समायोजित कर सकता है, जिससे अधिक और कम उत्पादन को कम किया जा सकता है। एआई के कारण भौतिक परिवर्तन भी हो रहा है। दशकों से उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट विनिर्माण रोबोट अब एआई द्वारा संचालित हो रहे हैं, जो कम समय में अधिक सटीकता के साथ काम पूरा कर रहे हैं। इन नए, अधिक बुद्धिमान रोबोटों का उपयोग उन कार्यों को करने के लिए किया जा रहा है जो मानव श्रमिकों के लिए बहुत दोहराव वाले या खतरनाक हैं, जैसे कपड़े काटना और सिलाई करना, न केवल श्रमिकों की सुरक्षा में सुधार कर रहा है बल्कि उत्पादन लागत को भी कम

कर रहा है। एआई के साथ सामग्री वैयक्तिकृत परिधान में एआई अब हम इंटरनेट ऑफ थिंग्स में रह रहे हैं, और वैयक्तिकरण तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है, खासकर परिधान उद्योग में।

एआई एल्गोरिदम उपभोक्ता डेटा का विश्लेषण कर सकता है - खरीद इतिहास और सोशल मीडिया गतिविधि जैसी चीजें - लोगों और उनकी प्राथमिकताओं को अधिक गहराई से समझकर, उन उत्पादों की सिफारिश करना आसान बनाता है जो उन्हें पसंद आ सकते हैं। एआई शरीर के माप और शैली प्राथमिकताओं जैसे वैयक्तिकृत डिज़ाइन भी उत्पन्न कर सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप अनुकूलित उत्पाद बनाने की अनुमति मिलती है। एआई के साथ स्थिरता में सुधार हमने फैशन उद्योग में स्थिरता के लिए बढ़ती चिंता के बारे में कई बार बात की है, और एआई इस मुद्दे को हल करने में मदद कर रहा है। सामग्री, उत्पादन प्रक्रियाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर डेटा का विश्लेषण करके, एआई एल्गोरिदम उन क्षेत्रों की पहचान कर सकता है जहां स्थिरता में सुधार किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, अधिक पर्यावरण-अनुकूल सामग्री या उत्पादन प्रक्रियाएं जो कम बेकार हैं। एआई आपूर्ति श्रृंखलाओं को अनुकूलित करने, परिवहन और भंडारण लागत को कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद कर सकता है। एआई के साथ खुदरा अनुभव को बढ़ाना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ग्राहकों के खुदरा अनुभव को भी बदल रहा है। एआई-संचालित चैटबॉट व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान कर सकते हैं, सवालों के जवाब दे सकते हैं और ग्राहकों को वे उत्पाद ढूंढने में मदद कर सकते हैं जिनकी उन्हें तलाश है। एआई शॉपिंग व्यवहार और प्राथमिकताओं में अंतर्दृष्टि भी प्रदान कर सकता है, जिससे खुदरा विक्रेताओं को अधिक आकर्षक और वैयक्तिकृत खरीदारी अनुभव बनाने की अनुमति मिलती है। उसके ऊपर, जैसे-जैसे हम मेटावर्स और आभासी वास्तविकता दृश्यों में आगे बढ़ रहे हैं, ग्राहकों को खरीदारी करने से पहले यह देखने की अनुमति देने के लिए उपकरण विकसित किए जा रहे हैं कि कपड़े उन पर कैसे दिखेंगे। खुदरा क्षेत्र में AI, AI के साथ स्वचालित उत्पाद टैगिंग स्वचालित उत्पाद टैगिंग एक अन्य क्षेत्र है जहां एआई उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है। परंपरागत रूप से, उत्पाद टैगिंग समय लेने वाली और श्रम-गहन रही है, जिसके लिए मानव श्रमिकों को प्रत्येक आइटम को आकार, रंग और शैली जैसी जानकारी के साथ मैन्युअल रूप से टैग करने की आवश्यकता होती है। हालाँकि, AI की मदद से, इस प्रक्रिया को स्वचालित किया जा सकता है, जिसमें एल्गोरिदम उत्पाद छवियों का विश्लेषण करते हैं और प्रमुख विशेषताओं की पहचान करते हैं, जिससे खुदरा विक्रेताओं को स्वचालित रूप से सटीक और सुसंगत जानकारी के साथ उत्पादों को टैग करने की अनुमति मिलती है। इससे इन्वेंट्री प्रबंधन प्रक्रिया की दक्षता और उपभोक्ताओं के लिए खोज परिणामों और अनुशंसाओं की सटीकता में सुधार होता है। हम फैशन उद्योग में एआई के भविष्य का स्वागत करते हैं इस उद्योग में 50 से अधिक वर्षों के दौरान, हमने कई बदलाव देखे हैं। रुझान, प्रौद्योगिकियाँ और शैलियाँ सभी आती हैं और चली जाती हैं, लेकिन हम अभी भी यहाँ हैं। हम अपने ग्राहकों को अधिक मूल्य दिलाने और उन्हें एक व्यवसाय के रूप में बढ़ने में मदद करने के लिए समय के साथ बदलाव करते हुए प्रगति को अपनाते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास हमारे लिए रोमांचक है; हमने अभी-अभी इसकी सतह को छुआ है कि डिजिटल दुनिया का यह नया चरण क्या कर सकता है। हम इस बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं कि हम एआई के माध्यम से अपनी सेवाओं को कैसे बेहतर बना सकते हैं और आप भी कैसे कर सकते हैं।

संपादकीय

युवा महिलाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव

सोशल मीडिया का युवा महिलाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान, शारीरिक छवि और सामाजिक संपर्क के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। यहां कुछ मुख्य तरीके दिए गए हैं जिनसे सोशल मीडिया युवा महिलाओं को प्रभावित करता है:

1. शारीरिक छवि और आत्म-सम्मान

इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म अक्सर सुंदरता की आदर्श छवियों को चित्रित करते हैं, जिन्हें अक्सर अवास्तविक शारीरिक प्रकार और जीवनशैली दिखाने के लिए संपादित या फ़िल्टर किया जाता है। युवा महिलाओं को इन मानकों से मेल खाने का दबाव महसूस हो सकता है, जिससे शरीर में असंतोष और कम आत्मसम्मान हो सकता है।

अध्ययनों से पता चला है कि सोशल मीडिया पर बिताए गए समय और शारीरिक असंतोष में वृद्धि के बीच एक संबंध है, क्योंकि युवा महिलाएं अक्सर खुद की तुलना प्रभावशाली लोगों और मशहूर हस्तियों से करती हैं।

इन प्लेटफार्मों पर ₹समानꣳ संस्कृति सत्यापन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है, जहां युवा महिलाएं अपने आत्म-सम्मान को प्राप्त होने वाली पसंद या टिप्पणियों की संख्या पर आधारित कर सकती हैं।

2. मानसिक स्वास्थ्य

सोशल मीडिया के लगातार संपर्क में रहने से चिंता, अवसाद और अकेलेपन का स्तर बढ़ सकता है। छूट जाने का डर (FOMO) इन भावनाओं में योगदान कर सकता है, क्योंकि युवा महिलाएं दूसरों को उन गतिविधियों या जीवनशैली में भाग लेते हुए देख सकती हैं जिनका वे हिस्सा नहीं हैं।

सोशल मीडिया साइबरबुलिंग, उत्पीड़न और ऑनलाइन शेमिंग को भी बढ़ावा दे सकता है, जो मानसिक स्वास्थ्य पर और नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। युवा महिलाएं विशेष रूप से ऑनलाइन उत्पीड़न के प्रति संवेदनशील होती हैं, जिससे तनाव का स्तर और भावनात्मक संकट बढ़ जाता है।

3. पहचान निर्माण और आत्म-अभिव्यक्ति

सोशल मीडिया आत्म-अभिव्यक्ति और पहचान की खोज के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो युवा महिलाओं के लिए सशक्त हो सकता है। कई लोग ऐसे समुदाय ढूंढते हैं जहां उन्हें समझा और समर्थित महसूस होता है, जो अपनेपन की भावना को बढ़ावा दे सकता है।

हालाँकि, युवा महिलाएं ऑनलाइन लोकप्रिय रुझानों, सौंदर्यशास्त्र या यहां तक कि विचारधाराओं के अनुरूप होने का दबाव महसूस कर सकती हैं, जो वास्तविक आत्म-अभिव्यक्ति और पहचान निर्माण को सीमित कर सकता है।

शांति की चाहत

विजय गर्ग

हम सब सृष्टि के अंग हैं। कोई भी जीव पैदा होने से लेकर अंत तक जिंदगी में काफी कुछ अनुभव करता है, देखता है, सुनता है और विचार करता है। वह अतीत की याद, वर्तमान के संघर्ष और भविष्य की चिंतन- चेतना के बीच हिचकोले खाते हुए जीवन बिताता है। ऐसे में काफी लोग न तो अतीत से सही प्रेरणा लेते हैं, न वर्तमान का बेहतर इस्तेमाल करते हैं और न ही भविष्य की चिंता के मकड़जाल फंसे होने पर उसके प्रति जवाबदेह होते है। यथार्थ में बहुत कम लोग होते हैं जो जीवन नैया की गंभीरता को समझकर अपने कर्मफल के लिए खुद को उत्तरदायी समझते हैं। कटु सत्य है कि जीवन में अपनी समझ से किए गए कार्यों से अनुकूल परिस्थिति का निर्माण हो, पर ऐसा ज्यादातर नहीं होता। चाहे- अनचाहे प्रतिकूल परिस्थितियां कभी भी आ धमकती हैं। ऐसे में जीवन का सही चाल-चलन क्या हो, यह एक मुश्किल - सा सवाल सदा हरेक के द्वार पर दस्तक देता है।

यथार्थ की दृष्टि से जीवन में शांति वहीं होती है, जहां अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थिति के बीच भी मन उचाट नहीं होता या तनाव में नहीं होता। दैनिक जीवन में हम चिंता के ज्वर से नहीं बच सकते, पर उसके प्रति अपनी मानसिकता का नजरिया बदला जाए तो चिंता को अगर किसी कारण दूर नहीं कर सकें तो उसे कम जरूर कर सकते हैं। निस्संदेह ऐसी सामर्थ्य हर व्यक्ति में नहीं होती। जब तक व्यक्ति में संयम, समझ, सब्र और संतुलन की ताकत का भान नहीं होता, तब तक व्यक्ति सहज रहने की कला से सज्जित नहीं हो सकता।

उदाहरण के लिए एक ही परिस्थिति और घटना को दो व्यक्ति अलग-अलग रूप में लेते हैं। जिनका सोचने-समझने का ढंग सकारात्मक होता है, वे दुख-सुख, भाव- अभाव, ईर्ष्या-द्वेष, शांति-अशांति को समान भाव से लेते हैं। जो लोग नकारात्मक ढंग से सोचते हैं, वे ऐसी परिस्थितियों में गलत दृष्टिकोण अपनाएंगे, जिससे उनके हाथ गलत परिणाम लगेंगे। जीना उन्हीं का सार्थक है, जो जीवन को सहजता से लेते हैं। उसके लिए मन और चित्त शांत होना चाहिए और अगर नहीं है, तो उसका अभ्यास करने से उसे पाया जा सकता है, लेकिन उसमें निरंतरता लाजिमी हैं। हमारा मन- मस्तिष्क बाहरी और भीतरी दुनिया के लिए बराबर सक्रिय रहता है। अपनी सूझबूझ अगर हम उसमें संतुलन बिठाते हैं तो शांति की नई राह को रोशन कर सकते हैं।

जीवन की शांति परिस्थितियों को न केवल ठीक करने की लगन से मिलती है, बल्कि यह सोचने से भी मिलती है कि हमारे भीतर क्या चल रहा है ! हम किसी उथल-पुथल में तो नहीं उलझे हैं और अगर उलझन है भी तो उससे पार पाने के लिए हम क्या कर रहे हैं ! सुख के लोभ और दुख से विचलन की मनोवृत्ति ने हमें हमेशा विरोधाभास में धकेला है। सुख-दुख को जीवन का अंग और प्रक्रिया मानकर जब हम चलते हैं तो अपने कर्म की प्रकृति से सचेत रह सकते हैं और फल भी हमें सकारात्मक मिलने की संभावना रहेगी। अमूमन हम थोड़े प्रयास से ही ज्यादा और मन के अनुकूल फल चाहते हैं, जो हमारे चाहने मात्र से नहीं मिलेगा। जब मन में शांति के फूल हों तो कांटों में फूलों का दर्शन होते हैं, लेकिन जब अशांति के कांटे होते हैं तो फूलों की चुभन का अनुभव अंतर्मन में होता है। हमारे शरीर और मन के रूप में दो तरह के दर्द हैं। यह हमारे ऊपर है कि मन के दर्द की टीस को कम कैसे करें। बाहरी चोट या शरीर के अंदर रोग के दर्द भी हमारे ही हैं।

मन के दर्द, राग-द्वेष, ईर्ष्या, कपट, तृष्णा, विपरीत वाणी, निंदा रोग, लोभ-लालच, धन अभाव, महत्त्वाकांक्षा, विकास की भूख आदि से जुड़े होते हैं। ऐसे दर्द की कमी के लिए शांति, धीरज, संयम आदि की फसल को अपने अंदर उगाना बहुत जरूरी है। वैसे हरेक व्यक्ति शांति की इच्छा रखना है,

लेकिन उसे पाने के लिए खुद शांत होकर तल्लीन नहीं होता। ऐसे में अगर शांति की चाहत है तो पहले चाहतें शांत करनी चाहिए। खुश रहना हो तो स्वयं को शांत सरोवर की तरह बनाना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो वह ठंडा हो जाए। शांत जीवन के तीन महामंत्र- स्वीकार करें, बर्दाश्त करें और बचें। बीते हुए का अफसोस और आने वाले कल की चिंता- ये दो ऐसे चोर हैं, जो हमारे आज का चैन चुराते हैं। मनुष्य को शांति तभी मिल सकती है, जब मनुष्य अपनी आदतों पर नियंत्रण रखे। इस भुलावे में नहीं रहना चाहिए कि ऊंची कीमत से शांति खरीदी जा सकती है। किसी से ईर्ष्या करके मनुष्य कुछ नहीं बिगाड़ सकता हैं, पर अपनी नींद और अपना सुख-चैन जरूर खो देता है। दिमागी शांति दुनिया की सबसे बड़ी दौलत है। जिंदगी में तोता नहीं, बाज बनना चाहिए, क्योंकि तोता बोलता बहुत है, लेकिन उड़ता बहुत कम है, जबकि बाज शांत रहता है, लेकिन आसमान छूने का हुनर रखता है। हम दिन की शुरुआत करते हैं, तब लगता है कि पैसा ही जीवन है, लेकिन जब शाम को घर लौटते हैं, तब लगता है शांति ही जीवन है। हर परिस्थिति में शांत बने रहना जीवन की मजबूती है, क्योंकि लोहा ठंडा रहने पर ही मजबूत होता है, गर्म लोहे को तो किसी भी आकार में ढाल दिया जाता है। सुख हो, लेकिन शांति न हो तो समझना चाहिए कि सुविधा को गलती से सुख समझा जा रहा है।

आज के दौर में पुस्तकें पुस्तकें कौन पढ़ता है

विजय गर्ग

हम ज्यों-ज्यों आधुनिक हुए है, त्यों- त्यों तकनीकी के गुलाम होते चले जा रहे हैं। नतीजतन, पुस्तकों से लगातार दूरी बढ़ती चली जा रही है। शिक्षा सबके लिए सुलभ होने का दायरा बढ़ा है, ऐसा वास्तव में होने के बजाय आभास अधिक हो रहा है कि जिस शिक्षा का आधार ही पुस्तकें रही हों, उनसे विद्यार्थियों की लगातार दूरी बढ़ना शिक्षाविदों के लिए बहुत अधिक चिंता का सबब है। समय के मुताबिक शिक्षा नीतियां और पाठ्यक्रम बदले जाते रहे हैं, फिर भी विद्यार्थी पुस्तक के बजाय अन्य रास्ते खोज ले रहे हैं। मसलन, नोट्स, पासबुक और 'वनवीक' श्रृंखला आदि के सहारे शिक्षा की वैतरणी पार किए जा रहे हैं। विद्यार्थी अगर उच्च शिक्षा बिना पुस्तकों के पास हो रहे हैं, तब वे कितना क्या सीख या ग्रहण कर पा रहे हैं ? शिक्षा के गढ़ों में कैसे नागरिक गढ़े जा रहे हैं?

सच यह है कि पाठक या विद्यार्थियों को सलाहियतों, व्याख्यानों के बावजूद वे पुस्तकोन्मुखी नहीं होते हैं, क्योंकि आबोहवा लगातार पुस्तक विरोधी होती चली जा रही है। टीवी के बाद स्मार्टफोन के आने और डाटा का सहज सुलभ होने के बाद सब कुछ आनलाइन हो चला है। ऐसा लगता है कि उपभोक्ताओं को बाजार या बच्चों को स्कूल जाने की जरूरत नहीं रह गई है, नही कर्मचारियों को कार्यालय। 'वर्क फाम होम' या घर से काम और मीटिंग तक आनलाइन और सारी शिक्षा वीडियो द्वारा घर बैठे संपन्न होने लगी है। ऐसे में पुस्तक कौन खोलकर पढ़ने बैठे?

यह सवाल मौजू हो चला है कि ऐसे दौर में पुस्तकें कौन पढ़ता है। जब सूचना का अंबार लगा हो, 'गूगल बाबा' हर सूचना देने के लिए बिना पन्ने खोले ही हाजिर हो जाता हो तो ऐसे में विद्यार्थी पुस्तक तक क्यों पहुंचे? पुस्तकालयों की खाक कौन छाने, जब पुस्तकों के बहुतेरे विकल्प हो चले हैं। हर विषय के आडियो-वीडियो यूट्यूब पर होना और हर शहर में कोचिंग का जाल बिछा होना, क्या ऐसे में पुस्तकें महज पुस्तकालयों की शोभा ही होकर नहीं रह जाने वाली हैं?

समय को किसी भी सूरत में पीछे नहीं लौटाया जा सकता है। यह सच है कि मनुष्य की गति बहुत बढ गई है। किसी के भी पास अतिरिक्त समय नहीं है या वे कम से कम समय और हर हाल में सफलता हासिल करना चाहते हैं। अब लंबा और सुरक्षित चलने की सोच सिरे से ही गायब हो चली है। जबकि संयम, संतोष का निरा अभाव हो चला है, ऐसे में शांति चाहते तो सब हैं, पर अभी नहीं, वह कब्र में ही नसीब हो सकेगी, क्योंकि शांति कल में चाहिए। आज तो सब हासिल करने, अधिक पैसा पाने की दौड़ में लगे हैं। ऐसे में पुस्तकों के पाठक बनने के बजाय लगातार आडियो-वीडियो की गिरफ्त में आ चुके हैं।

साहित्य में यह कहानी का समय है, उपन्यास का नहीं। यह विषय बहस का रहा है कि कविता और कहानी में पाठक किसके अधिक है? हर साल जिस तरह उपन्यास आ रहे हैं, इससे यही साबित होता है कि भले ही महाविद्यालयों में पुस्तकों के प्रति रुझान कम है, पर साहित्य की चर्चित विधा उपन्यास के पाठक आज भी बने हुए हैं। उपन्यास को वर्तमान दौर का महाकाव्य यों ही नहीं कहा गया है। इस पुस्तक विरोधी समय में भी उपन्यासों का बड़े स्तर पर छपना और पढ़ा जाना प्रमाण है कि उपन्यास के पाठक हैं। जो भी पाठक समय व समाज को गहराई में समझना चाहता है, वह आज भी खरीद कर पुस्तकें पढ़ रहे हैं।

साहित्य का पाठक होने और विद्यार्थियों के पाठक बनने में बड़ा फर्क होता है। वे शिक्षक जो 'वनवीक' श्रृंखला से परीक्षा पास कराते हैं और देर-सबेर वे ही जब अध्यापन करवाते हैं, तब इस दौर की पाठकहीनता के पीछे छिपी तहों और कारणों को समझा जा सकता है। ऐसे शिक्षक पुस्तकों के पाठक हुए बिना अलग से नए पाठक कैसे पैदा कर सकेंगे?

इसलिए इस समय बढ़ती पाठकों की कमी और पुस्तकों से विमुख होने की प्रक्रिया या पुस्तक के अंत के पीछे और भी बहुतेरे कारण हो सकते हैं, उनके निवारण के उपाय भी खोजे जा सकते हैं, पर बढ़ती तकनीकी, बदलती सोच और घटता संयम पुस्तकों के विपरीत हुआ जा रहा है। ऐसे में पुस्तकों का पाठक होना रेगिस्तान में नखलिस्तान का अहसास कराता है। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर या यात्राओं में लगभग सभी लोग अपने हाथ में स्मार्टफोन लिए उसी में अपना ध्यान गड़ाए रखते हैं, मानो उसमें कोई गहरी खोज कर रहे हों। ऐसे में कभी कोई व्यक्ति हाथ में किताब लिए पढ़ता दिख जाता है तो लगता है दुनिया में कोई अजूबी चीज दृश्य से गुजर रही हो।

भरने वाला है देश का खाद्यान्न भंडार, चावल-मक्का का होगा रिकॉर्ड उत्पादन

परिवहन विशेष न्यूज

खरीफ मक्का की पैदावार 245.41 लाख टन एवं खरीफ मोटे अनाज 378.18 लाख टन होने का अनुमान है। खरीफ दलहनों का कुल उत्पादन 69.54 लाख टन हो सकता है। खरीफ तिलहन की उपज 257.45 लाख टन हो सकती है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15.83 लाख टन अधिक है। 2024-25 के लिए खरीफ मूंगफली का उत्पादन 103.60 लाख टन एवं सोयाबीन का उत्पादन 133.60 लाख टन अनुमानित है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्तर पर अनाज गोदामों के निर्माण में तेजी के साथ ही अच्छी खबर है कि देश का खाद्यान्न भंडार भी भरने वाला है। वर्ष 2024-25 में खरीफ खाद्यान्न की उपज कुल 1647 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 89.37 लाख टन ज्यादा है। यह औसत खरीफ उत्पादन की तुलना में 124.59 लाख टन अधिक है। चावल और मक्के के अलावा मूंगफली उत्पादन में भी रिकार्ड बन सकता है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 2024-25 के लिए मुख्य कृषि फसलों के उत्पादन का अनुमान जारी किया है। देश में पहली बार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत सर्वे कराया गया है। चावल, ज्वार एवं मक्का की अच्छी उपज के चलते खरीफ खाद्यान्न उत्पादन में रिकार्ड वृद्धि देखी जा रही है।

उत्तर प्रदेश में चावल के क्षेत्रफल में भी अच्छी वृद्धि हुई है। अग्रिम अनुमान के अनुसार खरीफ चावल का उत्पादन 1199.34 लाख टन हो सकता है, जो पिछले वर्ष से 66.75 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ चावल उत्पादन से 114.83 लाख टन अधिक है।

खरीफ मक्का की पैदावार 245.41 लाख टन एवं खरीफ मोटे अनाज 378.18 लाख टन होने का अनुमान है। खरीफ दलहनों का कुल उत्पादन 69.54 लाख टन हो सकता है। खरीफ तिलहन की उपज 257.45 लाख टन हो सकती है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15.83 लाख टन अधिक है।

2024-25 के लिए खरीफ मूंगफली का उत्पादन 103.60 लाख टन एवं सोयाबीन का उत्पादन 133.60 लाख टन अनुमानित है। इसी तरह गन्ना 4399.30 लाख टन और कपास 299.26 लाख गांठें (प्रति गांठ 170 किग्रा) उपज सकता है। पटसन एवं मेस्ता का उत्पादन 84.56 लाख गांठें (प्रति गांठ 180 किग्रा) अनुमानित है।

देश में पहली बार राज्यों के सहयोग से डिजिटल क्राप सर्वे किया गया है। आंकड़ों का आकलन क्षेत्रफल के आधार पर किया गया है, जो सटीक अनुमान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सर्वे में विभिन्न राज्यों में फसलों के क्षेत्रफल, साप्ताहिक फसल मौसम निगरानी समूह एवं एजेंसियों से मिली इनपुट के आधार पर सत्यापित किया गया है।

रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के पहले उद्योग एवं अन्य सरकारी विभागों एवं हितधारकों से विमर्श भी कर लिया गया है। पैदावार का अनुमान मुख्य रूप से पिछली प्रवृत्तियों, सामान्य उपज, जमीनी स्तर के इनपुट एवं अपेक्षाओं पर किया गया है। कटाई के वक्त वास्तविक उपज के आधार पर इसे संशोधित किया जाएगा। सर्वे में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं ओडिशा के सभी जिलों को शामिल किया गया है।

शेयर बाजार ने ट्रंप की जीत का किया इस्तकबाल, सेंसेक्स-निफ्टी में 1 फीसदी से ज्यादा उछाल

Donald Trump Victory अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत का भारतीय शेयर बाजार पर काफी सकारात्मक असर दिखा है। सेसेंक्स और निफ्टी दोनों ही 1 फीसदी से ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी शेयरों में सबसे अधिक तेजी देखने को मिली। एक्सपर्ट का मानना है कि ट्रंप की जीत से भारत में शॉर्ट टर्म में रैली देखने को मिल सकती है।

नई दिल्ली। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रैटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। अब ट्रंप की सत्ता में वापसी पक्की हो गई है। भारत समेत दुनियाभर के ज्यादातर शेयर बाजारों ने ट्रंप की जीत का इस्तकबाल किया है।

सेंसेक्स और निफ्टी में तूफानी तेजी

ट्रंप ने मतगणना की शुरुआत से ही हैरिस पर बढ़त बना रखी थी। भारतीय शेयर बाजार ने इसका स्वागत किया और दोनों प्रमुख सूचकांक यानी सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुले। दोनों सूचकांकों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई। पिछले कुछ से वैश्विक अनिश्चितता और एफआईआई की बिकवाली से भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई है। लेकिन, ट्रंप की जीत के बाद उसे रिकवर करने में मदद मिली है।

आईटी शेयरों सबसे ज्यादा उछाल

सेंसेक्स 901.50 अंक यानी 1.13 फीसदी के 80,378.13 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी50 273.05 यानी 1.13 फीसदी बढ़कर 24,486.35 प्वाइंट पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा तेजी आईटी शेयरों में दिखी। टीसीएस, इन्फोसिस और विप्रो जैसी आईटी कंपनियों के शेयरों में करीब 4 फीसदी तक उछाल देखने को मिला। आईटी सेक्टर को ट्रंप की जीत से फायदा मिलने की उम्मीद है।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख

जापानी शेयर मार्केट भी ट्रंप के सत्ता में आने से खुश दिख रहा है। वहां का निक्केई इंडेक्स करीब 3 फीसदी तक उछल गया। हालांकि, ट्रंप का चीन के साथ 36 का आंकड़ा है और उनके पहले कार्यकाल में दोनों देशों के बीच लंबा ट्रेड वॉर भी चला। यही वजह है कि ट्रंप के जीतने से चीन और हांगकांग के बाजार लाल निशान में बंद हुए। दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार में मामूली गिरावट दिखी। हालांकि, यूरोपीय बाजारों में तेजी दिखी।

भारत के लिए फायदेमंद ट्रंप?

ग्लोबल ब्रेकरेज फर्म Emkay Global के मुताबिक, रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय शेयर बाजार (Stock Market) में कुछ दिनों की रैली ला सकती है। पिछले कुछ दिनों के दौरान शेयर मार्केट में गिरावट से निवेशकों का काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में ट्रंप की जीत उनके नुकसान की भरपाई करा सकती है।

अमेरिका के शेयर बाजार भी मंगलवार को जबरदस्त तेजी के साथ बंद हुए थे। अमेरिकी शेयर बाजार में आगे भी रैली जारी रहने की उम्मीद है। इसका असर भारतीय बाजार पर भी दिख सकता है।

क्रूड ऑयल की कीमतों में गिरावट, क्या आपके शहर में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल?

परिवहन विशेष न्यूज

सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोज सुबह 6 पेट्रोल और डीजल की प्राइस अपडेट करती हैं। उन्हें यह जिम्मेदारी साल 2017 से ही मिली हुई है। आज यानी बुधवार (6 नवंबर 2024) को भी सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के रेट को अपडेट कर दिया है। आज भी इन दोनों फ्यूल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

नई दिल्ली। आज यानी 6 नवंबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल आज (बुधवार) सुबह 9 बजे के करीब 75.03डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। भारत की सरकारी ऑयल कंपनियां इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल की प्राइस के हिसाब से पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं।

तेल कंपनियों ने आज राष्ट्रीय स्तर पर फ्यूल प्राइस में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन, पेट्रोल और डीजल अभी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं और उन पर राज्य स्तर पर टैक्स लगता है। इसके चलते अलग-अलग शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली परिवर्तन देखा जा सकता है.

Petrol Price Today: महानगरों में पेट्रोल और डीजल का लेटेस्ट रेट

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर और लीटर डीजल 92.76 लीटर है।

चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और लीटर डीजल 94.27 रुपये लीटर है।

बाकी बड़े शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट

नोएडा: पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम: पेट्रोल 94.99 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.85रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु: पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़: पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद: पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर

जयपुर: पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर

पटना: पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.37 रुपये प्रति लीटर

SMS से चेक कर सकते हैं पेट्रोल-डीजल का भाव

आप SMS के जरिए भी रोज अपने शहर में पेट्रोल-डीजल की कीमत चेक कर सकते हैं। इंडियन ऑयल (IOCL) के ग्राहकों को RSP कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा।

रोजाना अपडेट होती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (Crude Oil) के आधार पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों की समीक्षा करती हैं। इसी के आधार पर प्राइस को रोजाना अपडेट भी किया जाता है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल कंपनियां रोज सुबह 6 बजे विभिन्न शहरों की पेट्रोल और डीजल की कीमतों की डिटेल अपडेट करती हैं।

ऐसे में गाड़ी की टंकी फुल कराने से पहले एक बार लेटेस्ट रेट चेक कर लेना बेहतर रहता है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों ने लंबे समय से पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बड़ा फेरबदल नहीं किया है।

आज से खुल रहा स्विगी का आईपीओ; पैसे लगाए या नहीं, जानिए क्या है एक्सपर्ट की राय

परिवहन विशेष न्यूज

ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली स्विगी (Swiggy IPO) का आईपीओ आज यानी 6 नवंबर 2024 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इसे 8 नवंबर 2024 तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 371 से 390 रुपये प्रति शेयर है। इसकी लिस्टिंग 13 नवंबर को होगी। आइए जानते हैं कि इसका आईपीओ कितना बड़ा है और इसे ग्रे मार्केट में कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी का आईपीओ आज यानी 6 नवंबर 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। कंपनी 11.3 अरब डॉलर यानी लगभग 95,000 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर पैसे जुटाने वाली है। स्विगी का आईपीओ से 11,327 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। इसमें 4,499 करोड़ रुपये की फ्रेश इक्विटी और 6,828 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (OFS) शामिल होगा।

कितना होगा आईपीओ का प्राइस बैंड

स्विगी ने आईपीओ के लिए 371 रुपये से 390 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इसके एक लॉट में 38 शेयर होंगे। इसका मतलब कि अपर प्राइस बैंड के हिसाब से रिटेल इन्वेस्टर्स को कम से कम 14,820 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ में निवेशक 6 नवंबर से 8 नवंबर तक पैसे लगा सकेंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 11 नवंबर होगा। वहीं, एनएसई और बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 13 नवंबर को हो सकती है।

स्विगी के आईपीओ का जीएमपी

स्विगी के आईपीओ को ग्रे मार्केट में काफी सुस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसका जीएमपी फिलहाल गिरकर 12 रुपये है, जो 3 फीसदी के मामूली लिस्टिंग गेन का संकेत दे रहा है। ग्रे मार्केट एक अन-लिस्टेड मार्केट है। यहां पर आईपीओ की लिस्टिंग से पहले शेयरों की खरीद-बिक्री होती है। हालांकि, यहां भाव लगातार बदलते रहते हैं।

IPO पर ब्रोकरेज की राय

ब्रोकरेज हाउस एसबीआई सिक्योरिटीज ने स्विगी के आईपीओ को लॉन्ग टर्म के लिए सब्सक्राइब करने की सलाह दी है। उसने स्विगी के कुछ पॉजिटिव फैक्टर बताए हैं। मसलन, हाई-फ्रीक्वेंसी हाइपरलोकल कॉमर्स सेगमेंट में कंपनी लीडर्स में शामिल है। हालांकि, आदित्य बिरला कैपिटल ने स्विगी के आईपीओ से दूरी बनाने की सलाह दी है। उसने कड़ी प्रतिस्पर्धा और वैल्यूएशन घटाने जैसे नेगेटिव फैक्टर गिनाए हैं।

कितना सही है स्विगी का वैल्यूएशन

वैल्यूएशन के बारे में बात करते हुए स्विगी फूड मार्केटप्लेस के सीईओ रोहित कपूर ने कहा, ₹हमें लगता है कि हमने इसकी सही कीमत तय की है और हम अगले कुछ दिनों का इंतजार कर रहे हैं।₹ स्विगी का मूल्यांकन ऊपरी मूल्य बैंड पर लगभग 11.3 बिलियन डॉलर (लगभग 95,000 करोड़ रुपये) आंका गया है। जुलाई 2021 में लिस्ट हुई प्रतिद्वंद्वी जोमैटो का बाजार मूल्यांकन 2.13 लाख करोड़ रुपये है।

स्विगी का वैल्यूएशन घटा है?

स्विगी के मूल्यांकन में कटौती के बारे में मीडिया रिपोर्टों के बारे में पूछे जाने पर कपूर ने स्पष्ट किया कि मूल्यांकन में कोई कमी नहीं की गई है। उन्होंने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि कंपनी का वास्तविक मूल्य तब निर्धारित होता है जब वास्तव में लेनदेन होता है। कपूर ने कहा, ₹यह सब मीडिया में मूल्य के बारे में अटकलें हैं। इसलिए मामले का तथ्य यह है कि मूल्य में न तो वृद्धि हुई है और न ही कमी आई है। मूल्य ठीक वहीं है, जहां इसे होना चाहिए।'

ट्रंप की जीत की उम्मीद से क्रिप्टो मार्केट गुलजार, बिटकॉइन 75 हजार डॉलर के पार

Bitcoin Reaches 75000 dollars अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ काफी मजबूत पकड़ बना रखी है। इसका बदलाव का असर क्रिप्टोकरेंसी मार्केट पर भी देखा जा रहा है। मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने 9 फीसदी से अधिक के उछाल के साथ 75 हजार डॉलर के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है।...

नई दिल्ली। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की संभावित जीत से क्रिप्टोकरेंसी बाजार में तूफानी तेजी (crypto market boost) देखने को मिल रही है। बिटकॉइन ने पहली बार 75,000 डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। बिटकॉइन निवेशक मानते हैं कि ट्रंप की नीतियां क्रिप्टोकरेंसी मार्केट (election impact on Bitcoin) के लिए ज्यादा अनुकूल है। उनका मानना है कि ट्रंप के सत्ता में आने की सूरत में बिटकॉइन की कीमतों में और अधिक उछाल आएगा।

अमेरिका को क्रिप्टो कैपिटल बनाने का दावा

डोनाल्ड ट्रंप अपनी चुनावी जनसभा में कई बार अमेरिका को क्रिप्टो कैपिटल (Bitcoin surge) बनाने की बात कही है। इसके सहारे उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों, खासकर युवाओं को अपनी ओर लुभाने की कोशिश की। ट्रंप के साथ उनके कट्टर समर्थक और टेस्ला के मालिक एलन मस्क भी क्रिप्टोकरेंसी को काफी पसंद करते हैं। अमेरिका में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वालों की तादाद कुल आबादी की तकरीबन 16 फीसदी है, जो जाहिर तौर पर चुनावी नतीजों पर बड़ा डालने की ताकत रखता है।

एलन मस्क के पास कितनी क्रिप्टोकरेंसी

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शुमार एलन मस्क के पास बिटकॉइन, इथेरियम, डॉगेकॉइन और शिबाइनु की काफी हॉल्डिंग हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क ने दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी में 140 मिलियन डॉलर का निवेश किया हुआ है। यह सारा इन्वेस्टमेंट उनकी इलेक्ट्रिक कार मेकर टेस्ला के जरिए किया गया है। मस्क ने व्यक्तिगत तौर पर इथेरियम और डॉगेकॉइन में भी निवेश किया है। हालांकि, इसकी वैल्यू की जानकारी नहीं मिल सकी है।

कितनी बढ़ी है बिटकॉइन की कीमत

बिटकॉइन की कीमतों में आज 9 फीसदी से अधिक का उछाल आया है। यह एक वक्त 75,000 डॉलर (Bitcoin Reaches 75,000 dollars) के पार पहुंच गई थी। फिर इसमें थोड़ा करेक्शन हुआ। सुबह करीब 10 बजे तक बिटकॉइन 7.03 फीसदी उछाल के साथ 74,263.27 डॉलर पर ट्रेड कर रही थी। पिछले एक महीने की बात करें, तो बिटकॉइन के दाम 20.28 फीसदी तक बढ़े हैं। वहीं, 1 साल में इसकी कीमतों में 112 फीसदी का भारी उछाल आया है।

क्या होती है बिटकॉइन?

बिटकॉइन दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी है। इसे वर्चुअल करेंसी या डिजिटल करेंसी भी कहा जाता है। यह पूरी तरह से वर्चुअल करेंसी है। इसका मतलब कि इसमें कोई फिजिकल कॉइन या नोट नहीं होता। यह करेंसी का एक ऑनलाइन वर्जन है। इसका इस्तेमाल प्रोडक्ट या सर्विसेज के लिए किया जा सकता है। लेकिन, अभी काफी कम प्लेटफॉर्म इसे स्वीकार करते हैं। कुछ देशों ने तो क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह से पाबंदी लगा रखी है।

चुनाव जीतने के साथ ही ट्रंप की ये जिद हुई पूरी, भारत-अमेरिका के रिश्तों की लिखी जाएगी नई इबारत

रिपब्लिकन पार्टी को अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- सीनेट और प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल हो गया है इसलिए आने वाले दिनों में ट्रंप को अपने किसी भी निर्णय को लागू करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। इस चुनाव की एक खास बात यह भी रही कि ट्रंप 2016 और 2024 में डेमोक्रेटिक पार्टी की महिला प्रत्याशियों- हिलेरी क्लिंटन और कमला हैरिस को चुनाव हराकर राष्ट्रपति बने।

वाशिंगटन। अपने बिंदास अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने आखिर व्हाइट हाउस में वापसी की अपनी जिद पूरी कर ली। इस राह में उन्हें तमाम मुकदमों-आरोपों-चुटीली टिप्पणियों का सामना करना पड़ा लेकिन 78 वर्षीय ट्रंप कहीं नहीं ठिठके..। जारी मतगणना के बीच रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी ट्रंप ने 279 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हासिल कर लिए हैं जबकि अमेरिकी संविधान के अनुसार राष्ट्रपति बनने के लिए आवश्यकता 270 वोटों के समर्थन की होती है।

आखिरी सांस तक लड़ने का एलान

उनकी प्रतिद्वंद्वी भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस को अभी तक 223 इलेक्टोरल वोट का समर्थन हासिल हुआ है। ट्रंप ने इस जीत के लिए अमेरिकी जनता का आभार जताया है और उत्साह से भरे समर्थकों के बीच मुट्ठी बांधकर आखिरी सांस तक लड़ने का एलान किया है।

डोनाल्ड ट्रंप को 51 प्रतिशत मत मिले

उन्होंने कहा कि वह अमेरिका को मजबूत, सुरक्षित और संपन्न बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप को मित्र संबोधित करते हुए बधाई दी है। अभी तक की मतगणना में डोनाल्ड ट्रंप को 51 प्रतिशत मत मिले हैं जबकि हैरिस को 47 प्रतिशत मत मिले हैं। ट्रंप को हैरिस से करीब 50 लाख मत ज्यादा मिले हैं।

उपराष्ट्रपति पद पर जेडी वेंस जीते

फ्लोरिडा के पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में समर्थकों के बीच कहा कि अमेरिका ने हमें अप्रत्याशित जनादेश दिया है, अब हमें उसे ताकत में बदलना है। ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद पर जेडी वेंस जीते हैं जिनकी पत्नी ऊषा वेंस भारतीय मूल की हैं। जबकि हैरिस ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

अमेरिका-भारत व्यापार संबंध

जनवरी 2025 में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत को व्यापार और आव्रजन मामलों में थोड़ी दिक्कतें आ सकती हैं लेकिन सबसे ज्यादा असर अमेरिका की व्यापार नीतियों, पर्यावरण सुधार की नीतियों और यूक्रेन युद्ध पर होने के आसार हैं। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार युद्ध एक बार फिर शुरू हो सकता है। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की भी ट्रंप ने घोषणा की है।

खास अंदाज वाले डोनाल्ड ट्रंप

पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए धन देने के मामले में दोषी ठहराए जाने, प्रचार के दौरान जुलाई में कान को घायल करती हुई गोली के हमले और उसके बाद सितंबर में फ्लोरिडा में गोल्फ कोर्स में हत्या का षड्यंत्र सामने आने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में वापसी के अपने लक्ष्य से बिल्कुल भी समझौता नहीं किया।

ट्रंप और हैरिस में दिखी कांटे की टक्कर

उन्होंने अपने अंदाज में पहले राष्ट्रपति जो बाइडन पर सीधे हमले किए और उसके बाद डेमोक्रेटिक की ओर प्रत्याशी बनाई गईं उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को भी व्यक्तिगत हमलों से नहीं बख्शा। प्रचार के दौरान सर्वे में हैरिस कई बार नजदीक आती और बढ़त लेती प्रतीत हुईं लेकिन ट्रंप ने उसकी परवाह नहीं की.. सभी पूर्वानुमानों को अपने चिर-परिचित अंदाज में फर्जी करार दिया। मतदान से ठीक पहले तो ट्रंप ने 2020 का चुनाव हारने के बाद खुद के व्हाइट हाउस छोड़ने को भी गलत बता दिया। कहा, उन्हें नहीं छोड़ना चाहिए था।

रांची के वाईबीएन यूनिवर्सिटी एवं आजसू नेता के घर पर छापा

67 लाख कैस, जेवरात ,लाखों के वांड पेपर जप्त

(कर्तिक कुमार परिच्छा , स्टेट हेड)

रांची, चुनाव पूर्व ईडी के छापे के बाद दुसरे दिन रांची पुलिस ने वाईबीएन यूनिवर्सिटी , रांची के संचालक और आजसू नेता रामजी यादव के तीन ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस दौरान पुलिस की टीम ने संचालक के चुटिया स्थित आवास से 67.62 लाख नगद, सोना-चांदी के जेवरात के अलावा 73 लाख रुपए का बांड पेपर जब्त किया है।

छापामारी में सीटी डी एस पी तथा मजिस्ट्रेट हेहल सिओ कर कर रहे थे। करीब 120 की संख्या मे पुलिस बल ने पहले युनिवर्सिटी फिर रामजी यादव के मकान में रेड किया। जहां 67 लाख 62 हजार 620 रूपये जप्त किये । इसके अलावे हीरे के हार समेत सोना चांदी के आभूषण एवं 70 लाख के करीब बांड पेपर जप्त होने की सूचना मिली है ।

बताया जा रहा है कि रांची पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि विधानसभा चुनाव को अवैध संसाधनों से प्रभावित करने के लिए काफी मात्रा में नगद व अन्य जमा किया जा रहा है। उपायुक्त वरुण रंजन और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर एक छापेमारी टीम का गठन किया गया था। टीम ने नामकुम स्थित वाईबीएन यूनिवर्सिटी, अस्पताल और चुटिया साउथ रेलवे कॉलोनी आवास में छापेमारी की।

'बुलडोजर लेकर रातोंरात घर नहीं तोड़ सकते' उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

सड़क चौड़ीकरण के लिए अवैध निर्माण ढहाने के मनमाने रवैये पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अधिकारियों की कार्रवाई पर गंभीर असंतोष जताते हुए कहा कि कोर्ट के समक्ष जो हलफनामा है उसके मुताबिक कार्रवाई से पहले कोई नोटिस नहीं दिया गया था।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क चौड़ीकरण के लिए अवैध निर्माण ढहाने के मनमाने रवैये पर बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप बुलडोजर लेकर रातोंरात घर नहीं तोड़ सकते। कार्रवाई के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

अवैध रूप से तोड़फोड़ पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह आदेश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से मनोज टिबरेवाल आकाश द्वारा भेजी गई शिकायत पर स्वतः संज्ञान लेकर की गई सुनवाई में दिए।

अथॉरिटी ने क्या दी दलील?

टिबरेवाल का घर 2019 में महाराजगंज में सड़क चौड़ी करने के लिए ढहा दिया गया था। अधिकारियों का मानना था कि यह अतिक्रमण है। कोर्ट ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा, अथॉरिटी का कहना है कि मकान में 3.7 वर्गमीटर का अवैध निर्माण था। कोर्ट अगर यह बात मान भी ले तो तय प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया। पहले नोटिस क्यों नहीं दिया गया। इस तरह मनमानी कार्रवाई कैसे की जा सकती है। लोगों का घर कैसे धवस्त कर सकते हैं। किसी के घर में घुसकर बिना नोटिस उसे ध्वस्त करना अराजकता है।

कोर्ट ने अधिकारियों की कार्रवाई पर गंभीर असंतोष जताते हुए कहा कि कोर्ट के समक्ष जो हलफनामा है, उसके मुताबिक कार्रवाई से पहले कोई नोटिस नहीं दिया गया था। आप केवल साइट पर गए और मुनादी करके लोगों को सूचित किया।

उचित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए: कोर्ट

कोर्ट को बताया गया कि इसी तरह के 123 अन्य निर्माण भी वहां थे। जस्टिस पार्डीवाला ने टिप्पणी की कि यह बहुत मनमानी है। आप बुलडोजर लेकर रातों-रात घर नहीं तोड़ सकते। आप परिवार को घर खाली करने का समय नहीं देते। घर के सामान का क्या। उचित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। आप सिर्फ ढोल बजाकर मुनादी करके लोगों को घर खाली करने और उसे ध्वस्त करने के लिए नहीं कह सकते। उचित नोटिस दिया जाना चाहिए।

कोर्ट ने मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा की गई जांच रिपोर्ट पर भरोसा किया जिसमें कहा गया था कि अधिकतम 3.7 वर्गमीटर का अतिक्रमण था और पूरे घर को गिराने का कोई औचित्य नहीं था। कोर्ट ने पूछा कि कथित अतिक्रमण से ज्यादा हिस्से को ध्वस्त क्यों किया गया।

याचिकाकर्ता का आरोप था कि अधिकारियों के गलत कार्यों के बारे में स्थानीय समाचार पत्र में रिपोर्ट प्रकाशित होने की वजह से ध्वस्तीकरण किया गया। हालांकि कोर्ट ने इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को 25 लाख रुपये मुआवजा दे। यह मुआवजा अंतरिम प्रकृति का है और याचिकाकर्ता द्वारा मुआवजे के लिए अपनाई गई अन्य कानूनी कार्रवाई के रास्ते में नहीं आएगा।

सड़क चौड़ीकरण के लिए तय की प्रक्रिया

कोर्ट ने इसके अलावा आदेश में सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं के लिए अतिक्रमण हटाने के से पहले अपनाई जाने वाली प्रक्रिया भी तय की है। कोर्ट ने सभी राज्यों को इसका पालन करने को कहा है जिसमें सड़क चौड़ीकरण के लिए सड़क की मौजूदा चौड़ाई देखी जाएगी। अगर अतिक्रमण है तो उसे हटाने के लिए नोटिस दिया जाएगा।

अगर नोटिस पर आपत्ति की गई तो उस पर सुनवाई होगी और आदेश दिया जाएगा। यदि आपत्ति खारिज की गई तो अतिक्रमणकारी को अतिक्रमण हटाने के लिए तर्कसंगत समय दिया जाएगा। कोर्ट ने सभी राज्यों को आदेश की प्रति भेजने का निर्देश दिया है।

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40% की कमी को दर्शाया गया है।

स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15% की वृद्धि पाई। तेज़ गति

वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60% बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है।

माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है।

कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। WHO दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए स्क्रीन-फ्री डेज़ शुरू किए हैं।

स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है। सीमाएँ निर्धारित करना अल्पावधि में कठिन लग सकता है लेकिन दीर्घावधि में यह बहुत लाभदायक होगा।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत, मादक पदार्थों की लत की तरह, डोपामाइन के स्तर में वृद्धि पैदा करने के लिए जानी जाती है। स्क्रीन पर जितना ज़्यादा समय बिताएंगे, बच्चे के डिजिटल डिवाइस से जुड़ने का जोखिम उतना ही ज़्यादा होगा। छोटे बच्चों में स्क्रीन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। स्कूल मोबाइल फ़ोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगा रहे हैं। बच्चों में स्क्रीन की लत क्यों होती है और स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता इस आदत को नियंत्रण से बाहर होने से रोकने के लिए क्या कर सकते हैं। यह समय की मांग है कि समाज और नीतिगत हस्तक्षेप समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए स्क्रीन की लत की चुनौतियों का समाधान करें?

-प्रियंका सौरभ

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023